राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480

Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.

www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण बुधवार,08जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –162 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चीनी कंपनियों को वापस भेजने की तैयारी में भारत, इनसे जुड़े 50 निवेश प्रस्तावों की समीक्षा कर रही सरकार

नई दिल्ली।

चीन से चल रहे विवाद के बीच भारत सरकार नई स्क्रीनिंग पॉलिसी के तहत बड़ा फैसला लेने की तैयारी में है। रॉयटर्स के मुताबिक, सरकार चीनी कंपनियों से जुड़े लगभग 50 निवेश प्रस्तावों की समीक्षा कर रही है। भारत सरकार ने अप्रैल में नए नियमों का ऐलान किया था। इन नियमों के तहत पड़ोसी देशों में स्थित संस्थाओं द्वारा सभी निवेशों को (चाहे ये इन्वेस्टमेंट नया हो या अतिरिक्त धन के लिए हो) केंद्र की मंजूरी की जरूरत है। इन निवेशकों में चीन सबसे बड़ा है। भारत के नए नियमों की चीनी निवेशकों और बीजिंग ने कड़ी आलोचना की है और इसे नीतिगत भेदभाव बताया है। नए निवेश नियमों का उद्देश्य कोरोनोवायरस संकट के दौरान अवसरवादी अधिग्रहण को रोकना है।

न्यूज एजेंसी के मुताबिक उद्योग जगत से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि दोनों के संबंधों में गिरावट और पिछले महीने दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुई हिंसक झड़प, मंजूरी में और देरी होने का कारण हो सकता है। बता दें कि चीनी सैनिकों से हिंसक झड़प में भारत के 20 सैनिक शहीद हो गए थे। इस मामले में दिल्ली के एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने सीमा विवाद से निवेश पर पड़ने वाले प्रभाव पर कहा, ''कई तरह की मंजूरी की जरूरत है। हम थोड़ा और सतर्क हो रहे हैं।''

हालांकि, सूत्रों ने उन कंपनियों के नाम बताने से इनकार कर दिया, जिनके निवेश गोपनीय मंजूरी के कारण अटके हैं। रॉयटर्स को अन्य सूत्रों ने बताया कि नियम बदलने के बाद से चीनी निवेशकों ने फंडिंग से जुड़े करीब 40-50 आवेदन फाइल किए हैं। इन सभी की समीक्षा की जा रही है। चीन में भारतीय वाणिज्य दूतावासों समेत कई सरकारी एजेंसियां प्रस्तावों पर स्पष्टीकरण के लिए निवेशकों और उनके प्रतिनिधियों के साथ बातचीत कर रही हैं। लॉ फर्म कृष्णमूर्ति एंड कंपनी के एक पार्टनर आलोक सोनकर ने बताया कि कम से कम 10 चीनी ग्राहकों ने हाल के हफ्तों में भारत में निवेश के लिए उनकी सलाह मांगी थी, लेकिन वे भारत की नीतिगत सोच पर ज्यादा स्पष्टता का इंतजार कर रहे हैं। लॉ फर्म कृष्णमूर्ति एंड कंपनी के एक पार्टनर आलोक सोनकर ने बताया कि कम से कम 10 चीनी ग्राहकों ने हाल के हफ्तों में भारत में निवेश की मंजूरी के लिए अनिश्चितता भारतीय और चीनी दोनों पार्टियों को व्यापार आगे बढ़ाने से रोक रही है। पिछले महीने बॉर्डर पर हुई हिंसक झड़प के बाद भारत सरकार ने 59 चीनी मोबाइल ऐप्स को बैन कर दिया। भारत के इस कदम ने संभावित तौर पर चीन के उन बिजनेस को नुकसान जरूर पहुंचाया है जो साउथ एशियाई मार्केट में विस्तार के बारे में विचार कर रहे थे। रिसर्च ग्रुप ब्रूकिंग्स ने मार्च में बताया था कि कि चीनी कंपनियों का भारत में मौजूदा और नियोजित निवेश 26 बिलियन डॉलर से अधिक है।

आर्मी में महिलाओं को स्थायी कमीशन फैसला लागू करने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को एक महीने का वक्त और दिया

नई दिल्ली।

आर्मी में महिलाओं को बराबरी के हक का फैसला लागू होने में अभी और देरी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को एक महीने का वक्त दिया है। कोरोना की वजह से सरकार ने 6 महीने मांगे थे। केंद्र सरकार ने रक्षा मंत्रालय के जरिए कोर्ट में कहा कि फैसला लागू करने की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, सिर्फ औपचारिक आदेश जारी करना बाकी है। 17 साल की कानूनी लड़ाई के बाद इस साल फरवरी में थलसेना में महिलाओं को बराबरी का हक मिलने का रास्ता साफ हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया था कि उन सभी महिला अफसरों को तीन महीने के अंदर आर्मी में स्थाई कमीशन दिया जाए, जो इस विकल्प को चुनना चाहती हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से पहले आर्मी में 14 साल तक शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) में सेवा दे चुके पुरुषों को ही स्थाई कमीशन का विकल्प मिल रहा था, लेकिन महिलाओं को यह हक नहीं था। दूसरी ओर वायुसेना और नौसेना में महिला अफसरों को स्थाई कमीशन मिल रहा है। महिलाएं शॉर्ट सर्विस कमीशन के दौरान आर्मी सर्विस कोर, ऑर्डिनेंस, एजुकेशन कोर, एडवोकेट जनरल, इंजीनियर, सिग्नल, इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रिक-मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में ही एंट्री पा सकती हैं। इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रिक-मैकेनिकल इंजीनियरिंग ब्रांच में ही एंट्री पा सकती हैं। उन्हें कॉम्बैट सर्विसेस जैसे- इन्फैंट्री, आर्म्ड, तोपखाने और मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री में काम करने का मौका नहीं दिया जाता। हालांकि, मेडिकल कोर और नर्सिंग सर्विसेस में ये नियम लागू नहीं होते। इनमें महिलाओं को परमानेंट कमीशन मिलता है। वे लेफ्टिनेंट जनरल की पोस्ट तक भी पहुंची हैं।

पत्रकार विनोद दुआ की गिरफ्तारी पर 15 जुलाई तक रोक

नई दिल्ली । उच्चतम न्यायालय ने राजद्रोह मामले में वरिष्ठ पत्रकार विनोद दुआ की गिरफ्तारी पर लगी रोक 15 जुलाई तक बढ़ा दी और हिमाचल प्रदेश पुलिस को अब तक हुई जांच की रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में दाखिल करने का मंगलवार को आदेश दिया। न्यायमूर्ति उदय उमेश ललित, न्यायमूर्ति एम. एम. शांतनगौदर और न्यायमूर्ति विनीत सरन की खंडपीठ ने दुआ को पुलिस की पूरक प्रश्नावलियों का उत्तर देने से मना कर दिया। न्यायालय ने ऐसा उस वक्त किया जब दुआ की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता विकास सिंह ने दलील दी कि हिमाचल पुलिस पूछताछ के नाम पर उनका उत्पीड़न कर रही है। सिंह ने कहा कि पुलिस ने एक प्रश्नावली बनाकर दुआ को भेजी थी, जिसका उन्होंने जवाब दे दिया, लेकिन अब पुलिस उत्पीड़न पर उतर आई है और एक के बाद एक प्रश्नावली भेज रही है। इस पर न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि दुआ को अब किसी प्रश्नावली का जवाब देने की जरूरत नहीं है।खंडपीठ ने इसके बाद पुलिस को अभी तक की जांच रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में रजिस्ट्री में जमा कराने का आदेश दिया हालांकि केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इसका विरोध किया और कहा कि यह जांच पर रोक के समान होगा। इस पर न्यायमूर्ति ललित ने कहा कि केवल प्रश्नावली को लेकर ही उसने यह आदेश दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पुलवामा में सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में ढेर किया 1 आतंकी, एक जवान शहीद

नेशनल डेस्क। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में मंगलवार को घेराबंदी और तलाश अभियान के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया लेकिन इस दौरान सेना का एक जवान शहीद हो गया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया सूचना के आधार पर राष्ट्रीय राइफल्स, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह ने आज तड़के पुलवामा के गोसू गांव में संयुक्त घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। सुरक्षा बलों ने गांव से बाहर निकलने के सभी मार्गों को सील करने के बाद लक्षित इलाके की ओर बढ़ना शुरू किया, तभी वहां छिपे हुए आतंकवादियों ने जवानों पर स्वचालित हथियारों से अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया और एक सैनिक तथा एक पुलिसकर्मी घायल हो गए। घायलों को सेना के 92 बेस अस्पताल ले जाया गया जहां सैनिक की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि इलाके में दो से तीन आतंकवादियों के छिपे होने की रिपोर्ट है। इस बीच आस-पास के इलाकों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। जिले में सुरक्षा कारणों से मोबाइल इंटरनेट सेवा स्थगित कर दी गई हैं।

अमित शाह और केजरीवाल की मेहनत लाई रंग! कोरोना से जीत रही दिल्ली

नेशनल डेस्क। दिल्ली में सोमवार को कोरोना वायरस के मामले एक लाख के ऊपर पहुंचने के साथ ही राष्ट्रीय राजधानी इस संख्या तक पहुंचने वाला देश का पहला शहर बन गई है। हालांकि इस संकट के बीच एक बात जो राहत दे रही है वह है रिकवरी रेट। देश भर के मुकाबले कोरोना से ठीक होने में दिल्ली का रिकवरी रेट 71 फीसदी पहुंच गया है। दरअसल कोरोना से बिगड़ते हालातों को सुधारने के लिए केंद्र और केजरीवाल सरकार मिलकर काम कर रहे हैं, ऐसे में माना जा रहा है कि साथ में लिए गए फैसलों और बेहतर रणनीति के चलते दिल्ली कोरोना से जंग जीत रही है। बता दें कि केंद्रीय कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना वायरस की स्थिति का जायजा लेने के लिए उप राज्यपाल अनिल बैजल और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के साथ दिल्ली के तीन नगर निकायों के शीर्ष पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें कई अहम फैसले लिए गए थे। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक कोरोना वायरस के 1,359 नये मामले सामने आए जो 19 दिनों बाद कोविड-19 के मामलों में रिकॉर्ड रिकार्ड गिरावट है। इससे पहले, 16 जून को 1,859 नये मामले सामने आये थे। तब से इस वायरस के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई और रोजाना आंकड़े 2000-3000 के बीच थे। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऑनलाइन ब्रीफिंग में कहा था कि शहर में कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने की दर 72 फीसद तक पहुंच गई है और अधिकाधिक लोग दिन प्रतिदिन स्वस्थ हो रहे हैं। उन्होंने कहा था कि पिछले तीन महीनों में दिल्ली में कोरोना वायरस के मरीजों की संख्या करीब एक लाख तक पहुंच गयी। लेकिन चिंता करने या घबराने की जरूरत नहीं है क्योंकि इन एक लाख लोगों में से 72000 लोग स्वस्थ हुए हैं। दिल्ली में संक्रमण से उबरने की दर 72 फीसद हो गयी है जो बड़ा आंकड़ा है।

विभागों के बंटवारे पर शिवराज ने कहा-करना होगा 1-2 दिन इंतजार, अभी सौदा हो रहा है : नाथ

भोपाल। मध्य प्रदेश में मंत्रियों के विभागों के बंटवारा एक बार फिर से टल गया है। दो दिन के दिल्ली दौरे के बाद राजधानी वापस आए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह ने कहा है कि दो दिन और इंतजार करना पड़ेगा। वहीं सीएम शिवराज सिंह चौहान की इस जानकारी के बाद पूर्व मुख्यमंत्री ने चुटकी ली है। उन्होंने उज्जैन में कहा कि ये सौदे की सरकार है, सौदे से मंत्रिमंडल बना है और विभागों के बंटवारे पर भी सौदा हो रहा है। आपको बता दें कि शिवराज सरकार सत्ता में आने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा में रही। आखिर में करीब 100 दिन बाद शिवराज सरकार के पहले मंत्रिमंडल का विस्तार 2 जुलाई को हुआ था। मंत्रिमंडल में 20 कैबिनेट और 8 राज्यमंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि जल्द ही मंत्रियों में विभागों का बंटवारा हो जाएगा। लेकिन सीएम शिवराज और ज्योतिरादित्य सिंधिया में अपने खेमे के मंत्रियों में विभागों के बंटवारे को लेकर खींचतान के चलते विभागों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पाई। आखिर में यह मुद्दा एक बार फिर से दिल्ली पहुंच गया और 5 जुलाई को सीएम शिवराज मंत्रिमंडल में विभागों में बंटवारे पर केंद्रीय नेताओं से चर्चा करने दिल्ली गए। इसके बाद आज उनकी वापसी से कयास लगाए जाने लगे कि मंगलवार शाम को विभागो का बंटवार हो जाए लेकिन शिवराज सिंह ने एक बार फिस से दो दिन का इंतजार करने की बात कह डाली।

मध्य प्रदेश की राजनीति में शत्रुघ्न सिन्हा की एंट्री

मप्र में बीजेपी के तीन खेमें- महाराज, नाराज, शिवराज

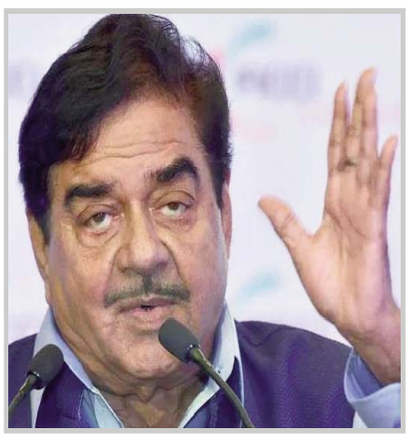

नई दिल्ली/भोपाल।

पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा और अपने मशहूर एक्टर शत्रुघ्न सिन्हा ने मध्य प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है। मंगलवार को सिन्हा ने ट्विटर पर लिखा कि मध्य प्रदेश में बीजेपी तीन खेमों में बंट गई है। पहला- महाराज, दूसरा- नाराज और तीसरा- शिवराज। दरअसल, कमलनाथ सरकार गिरने के बाद से ही शिवराज सरकार पूरे देश में चर्चा का विषय बनी हुई है। चाहे मंत्रिमंडल विस्तार की बात की जाए तो चाहे विभागों के बंटवारे को लेकर खींचतान हो। इसे लेकर विपक्ष में कांग्रेस शुरु से ही हमलावर रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा ने ट्वीट कर तंज कसा है। आपको बता दें कि शिवराज सरकार सत्ता में आने के बाद मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर चर्चा में रही।

आखिर में करीब 100 दिन बाद शिवराज सरकार के पहले मंत्रिमंडल का विस्तार 2 जुलाई को हुआ था। मंत्रिमंडल में 20 कैबिनेट और 8 राज्यमंत्रियों को शपथ दिलाई गई थी। इनमें अधिकतर सिंधिया समर्थक और शिवराज खेमें से हैं। वहीं बहुत से नेता मंत्रिमंडल में जगह न मिल पाने से नाराज बताए जा रहे हैं। इसके बाद कयास लगाए जाने लगे कि जल्द ही मंत्रियों में विभागों का बंटवारा हो जाएगा। लेकिन सीएम शिवराज और ज्योतिरादित्य सिंधिया में अपने खेमे के मंत्रियों में विभागों के बंटवारे को लेकर खींचतान के चलते विभागों के बंटवारे को लेकर सहमति नहीं बन पाई। मंत्रिमंडल विस्तार के 5 दिन बीत जाने के बाद भी विभागों के बंटवारे को लेकर अभी तक सीएम शिवराज सिंह चौहान कोई फैसला नहीं कर पाए हैं। इसका बड़ा कारण ज्योतिरादित्य सिंधिया को माना जा रहा है। बताया जा रहा है कि जहां ज्योतिरादित्य सिंधिया अपने समर्थक पूर्व विधायकों को प्रमुख विभाग दिलाना चाहते हैं तो वहीं, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान चाहते हैं कि मुख्य विभाग उनके करीबी नेताओं के पास रहें। वहीं बीजेपी में पहले से स्थापित चेहरों को संतुष्ट करना भी बीजेपी संगठन के सामने बड़ी परेशानी है। बीजेपी संगठन के सामने बड़ी परेशानी है।

कोरोना को लेकर शिवसेना का मोदी पर हमला, कहा- यही हाल रहा तो हम नंबर 1 होंगे

मुंबई।

देश भर में बढ़ रहे कोरोना वायरस के मामलों के बीच शिवेसना ने मुखपत्र सामना के जरिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला किया है। सामना में लिखा गया है कि मोदी ने कहा था कि 21 दिनों में कोरोना से जीत जाएंगे, लेकिन 100 दिन बाद भी कोरोना मैदान में डटा हुआ और लडने वाले थक चुके हैं। सामना में कहा गया कि देश में करीब ढ़ाई महीने तक चले लॉकडाउन और फिर उसके बाद शुरू हुई अनलॉकज् प्रक्रिया पर भी सामना में सवाल उठाए गए। इसमें लिखा गया लॉकडाउन की तरह ही अनलॉक किए जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं। लगातार ऐसे सवाल पूछे जा रहे हैं, जैसे लॉकडाउन का नियोजन नहीं किया, वैसा ही अनलॉक के बारे में भी हो रहा है क्या? ये खोलो, वो खोलो, लोगों को बाहर निकलने दो, कितने दिनों तक लोगों को बंद रखना चाहते हो? लेकिन घर से बाहर निकलते ही कोरोना के दूत बैठे ही हैं। यह भयानक तो है ही, लेकिन यह उस देश के लिए भी दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर है। सामना में कहा हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कुछ हद तक लॉकडाउन में ढील दी, लेकिन ट्रेनें बंद हैं, सैलून खुले हैं। अपने संपादकीय में सामना ने सीमा पर चीन के साथ जारी तनाव का भी हवाला दिया है।

मुख्यमंत्री ने कुछ हद तक लॉकडाउन में ढील दी, लेकिन ट्रेनें बंद हैं, सैलून खुले हैं। अपने संपादकीय में सामना ने सीमा पर चीन के साथ जारी तनाव का भी हवाला दिया है और कहा है हमें इस तथ्य को स्वीकार करना होगा कि सीमा पर चीन का और देश में चीनी वायरस का संकट जारी रहेगा।

भारत-चीन तनाव: हॉट स्प्रिंग्स और गोगरा में दोनों सेनाओं का पीछे हटना शुरू

नई दिल्ली।

पूर्वी लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर पिछले कुछ समय से चल रहे तनाव के बीच अब दोनों तरफ की सेनाओं ने आपसी सहमति से पीछे हटना शुरू कर दिया है। यह प्रक्रिया कुछ दिनों में पूरी हो जाएगी। भारतीय सेना के सूत्रों के मुताबिक, ÷इलाके में चीनी सेना ने कल से यहां बनाए अपने ढांचों को ध्वस्त करना शुरू कर दिया है। सूत्रों के अनुसार, दोनों पक्ष विवाद वाली जगह से एक से डेढ़ किमी पीछे जाएंगे। दोनों सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद आगे की वार्ता आयोजित होने की संभावना है। दरअसल चीन लगातार सीमा पर हेकड़ी दिखा रहा था और मनमानी कर रहा था, लेकिन भारत के सख्त रुख ने उसे झुकने पर मजबूर कर दिया। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी के बीच रविवार को हुई बातचीत के बाद नतीजा भी सामने आया। इस बातचीत के बाद सोमवार को चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) ने अपने कदम पीछे खींच लिए। सूत्रों का कहना है कि इतने दिनों से लगातार आक्रामक रुख अपनाए चीन का यह फैसला भारत के जवाबी आक्रामक रुख को देखते हुए आया है। हालांकि अभी यह कहना मुश्किल है कि चीनी सेना कितनी पीछे हटी है। इसका सटीक तौर पर पता वेरिफिकेशन प्रक्रिया में ही चल पाएगा। सूत्रों का कहना है कि चीन की ओर से सैनिकों को कम करने की प्रक्रिया पर भारत पूरी नजर रखेगा। ऐसा 15 जून को गलवां क्षेत्र में दोनों सेनाओं के बीच हुई हिंसक झड़प को देखते हुए किया जाएगा। यह झड़प इसलिए हुई थी क्योंकि चीन ने दोनों देशों के बीच छह जून को हुई सहमति को मानने से इनकार कर दिया था और अपने सैनिक पीछे नहीं हटाए थे। इस बार भारत कोई जोखिम लेने के लिए तैयार नहीं है। सूत्र बताते हैं कि पैंगोंग त्सो के फिंगर क्षेत्र से चीनी सेना के पीछे हटने की अभी कोई जानकारी नहीं मिली है। यहां फिंगर-4 से फिंगर-8 तक चीनी सेना ने बड़े स्तर पर जमावड़ा कर रखा है। एलएसी पर जमावड़ा कम करने के लिए दोनों सेनाओं के कोर कमांडर स्तर पर 30 जून को लंबी बातचीत हुई थी। इसमें चरणवार तनाव खत्म करने के लिए जरूरी कदम उठाने पर सहमति बनी थी। लेफ्टिनेंट जनरल स्तर पर पहले चरण की बातचीत छह जून को हुई थी। इसमें दोनों ओर से सहमति बनी थी कि तनातनी वाले स्थानों से सेनाओं को पीछे हटाया जाएगा, वाले स्थानों से सेनाओं को पीछे हटाया जाएगा, हालांकि गलवां घाटी में पीपी-14 पर दोनों सेनाओं के बीच झड़प से हालात और बिगड़ गए। तीन दिन पूर्व शुक्रवार को ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लद्दाख का दौरा कर सैनिकों को संबोधन के माध्यम से चीन को कड़ा संदेश दिया था।

महबूबना मुफ्ती की बेटी इल्तिजा ने कहा, इस्लामाबाद में मंदिर निर्माण को रोकना गलत

श्रीनगर । जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा महबूबा ने पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में मंदिर के निर्माण पर रोक लगाने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे सभी को धार्मिक आजादी देने वाले इस्लामिक कल्याणकारी देश मॉडल के विचार के विपरीत है।सुश्री इल्तिजा, जो अपनी मां और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती का आधिकारिक ट्विटर भी हैंडल करती हैं, ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा कि करतारपुर कॉरिडोर खोलना को काफी सराहा गया था लेकिन यह हालिया कदम प्रतिगामी है। उन्होंने कहा,इस्लामाबाद में एक मंदिर का निर्माण रोकना इस्लामिक कल्याणकारी देश मॉडल के विचार के बिल्कुल विपरीत है जो सभी को धार्मिक स्वतंत्रता देता है। करतारपुर कॉरिडोर को खोलने की बहुत सराहना की गई थी लेकिन यह हालिया कदम प्रतिगामी है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

सुधार के संकेत

करीब 20 दिनों के भारी तनाव के बाद चीन की मनमानी में आई नरमी खुशी का मौका न सही, एक बेहतर संकेत तो है ही। गलवान में विवादित जगह से अपना अस्थाई तंबू लेकर करीब एक किलोमीटर या ज्यादा पीछे जाने की चीनी पहल एक ऐसा समाचार है, जिसका इंतजार भारत ही नहीं, दुनिया को था। यह स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं कि भारत की ओर से डाले गए चौतरफा दबाव की वजह से चीन ने कुछ नरमी दिखाई है, पर इस एक नरमी की वजह से अभिभूत नहीं होना चाहिए। समाधान के लिए अनेक दौर की सैन्य स्तरीय वार्ता के बाद हमारे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को भी आगे आना पड़ा है। अब चीन की ओर से कोशिश दिख रही है कि हालात को और बिगड़ने से रोका जाए। हालांकि अभी विवाद का समाधान नहीं हुआ है और चीन की यह कार्यवाही दुनिया को दिखाने के लिए भी हो सकती है। अब तनाव वाली जगह से वह पीछे जाएगा और उसे ऐसा करना ही चाहिए, क्योंकि भारत अब इस स्थिति में नहीं है कि किसी देश की नाजायज मनमानी पचा जाए। भारत सरकार ने एकाधिक कदम चीन को यह संकेत देने के लिए उठाए थे कि अगर वह पीछे नहीं हटा, तो मजबूरन उसके खिलाफ फैसलों का सिलसिला चल पड़ेगा। भारत से मिले शुरुआती संकेतों को चीन यदि समझ गया है, तो यह जरूर खुशखबरी हो सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि चीन केवल अपने आर्थिक हितों को लेकर चिंतित है। उसे 1962 से पहले या उसके बाद भी भारत की ज्यादा परवाह कभी नहीं रही है और वह अपनी भारत संबंधी नीतियों या मंशा का इजहार पाकिस्तान के साथ दोस्ती निभाते हुए सतत करता रहा है। भारत में जब 59 एप पर पाबंदी लगी, जब अनेक ठेके रद्द हो गए, तब शायद चीन जागा है, हालांकि इसमें रूस की भी भूमिका बताई जा रही है। बहरहाल, भारत को अपने रुख का इजहार आर्थिक मोर्चे पर संकेत देते हुए करते रहना चाहिए। वह भारत में विभिन्न उत्पादों का सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत के साथ उसका कारोबार उसके लिए बहुत फायदेमंद रहा है। चीन के लिए हमारे निर्यात की तुलना में भारत के लिए चीन का जो निर्यात रहा है, उसमें चीन को 60 अरब डॉलर से ज्यादा की बढ़त हासिल है। भारत में चीनी निर्यात में स्मार्टफोन, विद्युत उपकरण, पावर प्लांट उपकरण, उर्वरक, ऑटो पार्ट्स, तैयार स्टील उत्पाद, बिजली संयंत्रों के सामान, दूरसंचार उपकरण, मेट्रो रेल कोच, दवा सामग्री, रसायन, प्लास्टिक, इंजीनियरंग के सामान शामिल हैं। भारत से संबंध बिगड़ने से चीन में 20 से ज्यादा उद्योगों पर सीधी चोट पड़ेगी। मंदी से जूझ रहा चीन वाम-प्रेरित मनमानी के नशे के बावजूद अपने आर्थिक हित की चिंता जरूर करेगा। अब गलवान से यदि वह स्थाई तौर पर पीछे हटा है, तो भी हमें अपनी स्वाभाविक उदारता दिखाने की जल्दी नहीं करनी चाहिए। भूटान की जमीन पर भी उसका दावा चर्चा में है। चीन की नजर भूटान के सकटेंग इलाके पर है, जहां भूटान वन्यजीव अभयारण्य बनाना चाहता है। चीन ने तीसरे पक्ष (भारत) को भी चेतावनी देते हुए इस क्षेत्र को विवादित बताया है। सचेत रहना चाहिए, कोई साम्राज्यवादी पड़ोसी किसी इलाके को विवादित करार दे, तो इसका मतलब यह कतई नहीं कि हम या भूटान अपने-अपने इलाके को छोड़ दें। यह निर्णायक समय है। हमारी सुविचारित और संयमित दृढ़ता ही हमारा मार्ग प्रशस्त करेगी।

आज के ट्वीट

ताकत

चीन चाहता था कि गलवान और श्योक के इलाके में भारत सड़क और पुल बनाना बंद करे.लेकिन भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर का काम नहीं रोका. लेह और लद्दाख में जो 60 साल में नहीं हुआ मोदी ने कर दिया. इसी से फ़ौज की ताक़त और क्षमता और बढ़ी. -- अर्णव गोस्वामी

मुफ्त लाभ बांटने में फंसे राज्य

एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार

तमिलनाडु देश का वह राज्य है, जहां से जनता को बेहद मामूली दरों पर (लगभग मुफ्त) सुविधाएं देने का चलन शुरू हुआ। इसकी शुरुआत सीएन अन्नादुरई के साथ हुई है। सन 1969 में जब इस सूबे का नया नामकरण हुआ (मद्रास राज्य का नाम बदलकर तमिलनाडु रखा गया), तब प्रथम मुख्यमंत्री अन्नादुरई ने बेहद रियायती दरों पर चावल देना शुरू किया था। देश में यह पहला मौका था, जब चुनावी फायदे के लिए अनाज में सब्सिडी दी गई थी। मगर चुनावी राजनीति के अलावा अन्नादुरई सामाजिक कल्याण के हिमायती भी थे। वह द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम यानी द्रमुक के संस्थापक थे। पेरियार की पार्टी द्रविड़ कषगम से अलग होकर उन्होंने यह पार्टी बनाई थी। उनका एक प्रमुख लक्ष्य गरीबों का कल्याण भी था। उन्होंने भूखे को भोजन देना चाहा, इसलिए यह योजना तैयार की गई। मगर कुछ समय बाद इसे वापस ले लिया गया। अन्नादुरई से पहले, मद्रास राज्य के तीसरे मुख्यमंत्री और कांग्रेसी नेता के कामराज एक अनग रूप में मुफ्त सुविधाएं दे चुके थे। उन्होंने मिड-डे मील योजना शुरू की थी, जिसके तहत स्कूल आने वाले बच्चे को एक वक्त का खाना दिया जाता था। इसका आश्चर्यजनक परिणाम निकला। चूंकि हर गांव में प्राथमिक विद्यालय था और प्रत्येक पंचायत में उच्च विद्यालय, इसलिए उनमें नामांकन बढ़ गया और छात्रों के स्कूल छोड़ने की दरें घट गईं। बाद के मुख्यमंत्रियों ने इस योजना का विस्तार किया और इसे पोषक आहार योजना बना दिया, क्योंकि खाने के मेनू में अंडा भी शामिल किया गया था। अन्नादुरई के बाद जब करुणानिधि मुख्यमंत्री बने, तो उन्होंने कई अन्य सुविधाएं जोड़कर इसका दायरा बढ़ाया। मगर बाद के वर्षों में जयललिता ने ऐसी रियायतों को मुख्यधारा का हिस्सा बना दिया और हर वह सामान कमोबेश मुफ्त में देने लगीं, जिसकी चाहत लोगों को होती है। मसलन, टीवी, ग्राइंडर, मिक्सी, साइकिल, पालना, नवजात के जरूरी सामान, बकरी, यहां तक कि मंगलसूत्र के लिए सोना भी। हालांकि, अर्थशास्त्री हमेशा ही ऐसी रियायतों या मुफ्त सुविधाओं की हंसी उड़ाते हैं, क्योंकि उनकी नजरों में इनसे मुल्क के आर्थिक मूल्य नहीं बढ़ते। राजनेता महज इसलिए इसे अपनाते हैं, क्योंकि उन्हें यह मतदाताओं को लुभाने का सरल तरीका लगता है। फिर भी, ऐसी रियायतें तमिलनाडु में गहरे तक पैठती गईं और दूसरे सूबों में भी फैलने लगीं। अविभाजित आंध्र प्रदेश ऐसे ही राज्यों में एक था। करिश्माई अभिनेता से राजनेता बने एन टी रामाराव ने 1982 के अपने चुनावी अभियान में दो रुपये किलो चावल देने का वादा किया, जिसका कांग्रेस ने मजाक उड़ाया। पर जनवरी, 1983 में रामाराव प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीते। इसके बाद, एनटीआर के दामाद चंद्रबाबू नायडू को कुरसी मिली, जिन्होंने राज्य को बिल्कुल अलग दिशा में आगे बढ़ाया। उन्होंने हैदराबाद के बाहर 'साइबराबाद' बसाया, जहां पर ऊंची-ऊंची चमकीली इमारतें सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों का ठिकाना बनीं। चंद्रबाबू नायडू के प्रयासों से कई वैश्विक आईटी कंपनियों ने राज्य में अपना कामकाज शुरू किया। चंद्रबाबू औद्योगिक विकास के जरिए राज्य में विकास लाना चाहते थे, मगर 2004 में उन्हें सत्ता से बाहर होना पड़ा। दरअसल, हैदराबाद और आसपास के इलाके तरक्की तो कर रहे थे, लेकिन ग्रामीण इलाकों में अंधियारा पसर रहा था। नतीजतन, ग्रामीण जनता ने उन्हें नकार दिया। कांग्रेस ने वाईएसआर रेड्डी के नेतृत्व में सत्ता हासिल की, और लोक-लुभावनवाद की फिर से वापसी हो गई। हालांकि, 2014 में तेलंगाना और आंध्र के रूप में प्रदेश के बंटवारे ने चंद्रबाबू नायडू की मदद की और वह सत्ता में लौटने में कामयाब हुए। मगर 2004 से कोई सबक न लेते हुए उन्होंने एक बार फिर अपनी भव्य योजनाओं को आकार देना शुरू किया। उन्होंने अमरावती में एक शानदार राजधानी बनाने का वादा किया। उन्होंने वैश्विक सलाहकार नियुक्त किए और सिंगापुर को टक्कर दे सकने वाले शहर के रूप में अमरावती को बसाने की योजना पर काम शुरू किया। हालांकि, उनका यह सपना अधूरा ही रहा, क्योंकि 2019 में उन्हें वाईएसआर के बेटे जगन मोहन रेड्डी ने चुनावी मात दे दी। वाईएसआर कांग्रेस के इस युवा मुख्यमंत्री को सत्तासीन हुए बमुश्किल एक साल हुए हैं, पर इन्होंने नए तरह के लोक-लुभावनवाद को जन्म दिया है। अनुसूचित जाति/ जनजाति की लड़की को शादी के लिए एक लाख रुपये नकद देने के अलावा यहां 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को पेंशन के रूप में 2,250 रुपये हर महीने मिलेंगे। 10,200 करोड़ रुपये की एक योजना के तहत करीब 50 लाख किसानों को सालाना 13,500 रुपये दिए जाएंगे। स्वास्थ्य योजना में 2,000 बीमारियों को शामिल किया गया है, जिससे 1.42 करोड़ लोगों को लाभ मिल रहा है। एक योजना माओं के लिए भी है, जिसके तहत उन्हें अपने बच्चे को 12वीं क्लास तक निजी और सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के लिए 15,000 रुपये सालाना दिए जा रहे हैं। अनुमान है कि सूबे में इतनी सारी योजनाएं और मुफ्त स्कीम हैं कि चार आदमी के एक परिवार को हर साल आसानी से दो लाख रुपये का लाभ मिलता है। चूंकि इनमें से कई नकद हस्तांतरण योजनाएं हैं, इसलिए पैसे सीधे लाभार्थियों को मिलते हैं। यह स्थिति तब है, जब राज्य का राजस्व 68,000 करोड़ रुपये कम हो गया है और इसका कर्ज बढ़कर इसके सकल घरेलू उत्पाद का 34 प्रतिशत हो चुका है। उद्योगपतियों की नाराजगी मोल लेकर जगन मोहन पहले ही अपने पांव पर कुल्हाड़ी मार चुके हैं। जिन लोगों ने चंद्रबाबू नायडू के ड्रीम प्रोजेक्ट पर विश्वास करते हुए अमरावती में निवेश किया था, वे भी खुद को फंसा हुआ महसूस कर रहे हैं, क्योंकि जगन मोहन रेड्डी इस सपने को तोड़ने पर आमादा हैं। किसी भी कीमत पर वोटरों को लुभाने का प्रयास न सिर्फ अर्थव्यवस्था, बल्कि शासन-प्रशासन के लिहाज से भी बुरा तरीका है। इसका असर हमने तमिलनाडु में देखा है, जहां कुशल-अकुशल श्रमिक कम हो गए हैं और उन्हें अन्य राज्यों से लाया जाता है। मुफ्त सुविधाओं ने यहां की कार्य-संस्कृति को खूब चोट पहुंचाई है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

ज्ञान गंगा

औरत की चाह

आचार्य रजनीश ओशो/ एक औरत को आखिर क्या चाहिए होता है? ये छोटी सी कहानी। राजा हर्षवर्धन युद्ध में हार गए। हथकड़ियों में जीते हुए पड़ोसी राजा के सम्मुख पेश किए गए। पड़ोसी देश का राजा अपनी जीत से प्रसन्न था और उसने हर्षवर्धन के सम्मुख एक प्रस्ताव रखा। यदि तुम एक प्रश्न का जवाब हमें लाकर दे दोगे तो हम तुम्हारा राज्य लौटा देंगे, अन्यथा उम्र कैद के लिए तैयार रहें। प्रश्न है, एक स्त्री को सचमुच क्या चाहिए होता है? इसके लिए तुम्हारे पास एक महीने का समय है हर्षवर्धन ने यह प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। वे जगह-जगह जाकर विदुषियों, विद्वानों और तमाम घरेलू स्त्रियों से लेकर नृत्यांगनाओं, वेश्याओं, दासियों और रानियों, साध्वी सब से मिले और जानना चाहा कि एक स्त्री को सचमुच क्या चाहिए होता है? किसी ने सोना, किसी ने चांदी, किसी ने हीरे जवाहरात, किसी ने प्रेम-प्यार, किसी ने बेटा-पति-पिता और परिवार तो किसी ने राजपाट और संन्यास की बातें कीं, मगर हर्षवर्धन को संतोष न हुआ। किसी ने सुझाया कि दूर देश में एक जादूगरनी रहती है, उसके पास हर चीज का जवाब होता है। हर्षवर्धन अपने मित्र सिद्धराज के साथ जादूगरनी के पास गए। जादूगरनी ने कहा, मैं आपको सही उत्तर बताऊंगी परंतु इसके एवज में आपके मित्र को मुझसे शादी करनी होगी। जादूगरनी बुढ़िया तो थी ही, बेहद बदसूरत थी। हर्षवर्धन ने इस पेशकश को मना कर दिया, मगर सिद्धराज मित्र के जीवन की खातिर जादूगरनी से विवाह को तैयार हो गया तब जादूगरनी ने उत्तर बताया.'स्त्रियां, स्वयं निर्णय लेने में/आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं। यह उत्तर हर्षवर्धन को कुछ जमा, पड़ोसी राज्य के राजा ने भी इसे स्वीकार कर लिया और उसने हर्षवर्धन को उसका राज्य लौटा दिया। इधर जादूगरनी से सिद्धराज का विवाह हो गया, जादूगरनी ने मधुरात्रि को अपने पति से कहा। चूंकि तुम्हारा हृदय पवित्र है और अपने मित्र के लिए तुमने कुर्बानी दी है अत- मैं चौबीस घंटों में बारह घंटे तो रूपसी के रूप में रहूंगी और बाकी के बारह घंटे अपने सही रूप में, बताओ तुम्हें क्या पसंद है? सिद्धराज ने कहा. प्रिये, यह निर्णय तुम्हें ही करना है, मैंने तुम्हें पत्नी के रूप में स्वीकार किया है, और तुम्हारा हर रूप मुझे पसंद है। जादूगरनी यह सुनते ही रूपसी बन गई। उसने कहा, दरअसल, मेरा असली रूप ही यही है। बदसूरत बुढ़िया का रूप तो मैंने अपने आसपास से दुनिया के कुटिल लोगों को दूर करने के लिए धरा हुआ था।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

चिंता - थम नहीं रहा टिड्डियों का हमला

(लेखक-योगेश कुमार गोयल)/ हवा में उड़ती आफत बने टिड्डी दल

राजस्थान और मध्य प्रदेश पिछले कई दिनों से टिड्डी दलों के हमलों से काफी परेशान हैं और टिड्डियों का यह हमला अब हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश इत्यादि उत्तर भारत के विभिन्न राज्यों तक पहुंच गया है। कई-कई किलोममीटर लंबे टिड्डी दल फसलों को पूरी तरह तबाह कर बर्बादी की गई कहानी लिखते हुए आगे बढ़ रहे हैं। पाकिस्तानी सीमा से भारत में आए ये टिड्डी दल राजस्थान के दो दर्जन से अधिक जिलों तथा मध्य प्रदेश के भी कई इलाकों में कई लाख हेक्टेयर क्षेत्र में फसलों को नष्ट कर चुके हैं। अब इन दोनों राज्यों के साथ देश के कई अन्य राज्यों में भी टिड्डी दलों का फसलों पर कहर देखा जा रहा है। टिड्डियों के कई-कई किलोमीटर लंबे दल अलग-अलग स्थानों पर पहुंचकर फसलों को चट करते हुए आगे बढ़ रहे हैं। भारत में वर्ष 1926 से 1931 के बीच टिड्डियों के कारण तत्कालीन मुद्रा में करीब दस करोड़ रुपये तथा 1940 से 1946 के दौरान दो करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। इसे देखते हुए वर्ष 1946 में लोकस्ट वार्निंग ऑर्गेनाइजेशन (एलडब्ल्यूओ) यानी टिड्डी चेतावनी संगठन की स्थापना की गई थी। एलडब्ल्यूओ केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के वनस्पति संरक्षण, संगरोध एवं संग्रह निदेशालय के अंतर्गत कार्यरत है। भारत में 1949-55 के दौरान टिड्डी दलों के हमले से दो करोड़, 1959-62 के दौरान पचास लाख तथा 1993 में करीब 75 लाख रुपये के नुकसान का अनुमान लगाया गया था। अभी ऐसे हमलों में नुकसान करोड़ों-अरबों रुपये तक पहुंच जाता है। महज ढाई-तीन इंच आकार का यह कीट प्रतिदिन अपने वजन के बराबर खाना खा जाता है। संयुक्त राष्ट्र के संगठन 'फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन' के अनुसार एक वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में आठ करोड़ के करीब टिड्डियां हो सकती हैं। मई माह में जब राजस्थान में टिड्डी दलों ने फसलों पर हमला बोला था, तब वहां के कृषि अधिकारियों का कहना था कि उन्होंने जो टिड्डी दल देखा, वह छह किलोमीटर लंबा तथा तीन किलोमीटर चौड़ा था। अब हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश में जो टिड्डी दल देखे जा रहे हैं, वे भी काफी लंबे हैं। ऐसे में अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि फसलों पर इतनी सारी टिड्डियों के हमलों से एक ही दिन में कितने बड़े पैमाने पर फसलों का सफाया हो सकता है। ब्रिटेन के खाद्य एवं पर्यावरण संस्थान (फेरा) द्वारा टिड्डियों पर किए गए एक शोध में पाया गया है कि इनकी खाने की क्षमता और उड़ने की रफ्तार मवेशियों से कहीं तेज है। एक अनुमान के अनुसार टिड्डियों का एक बहुत छोटा झुंड भी एक दिन में करीब 35 हजार लोगों का खाना खा जाता है। इनका एक छोटा दल एक दिन में दस हाथियों या पच्चीस ऊंटों के खाने के बराबर फसलें चट कर सकता है। टिड्डी दल दस किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से सफर करता है और एक दिन में 150 किलोमीटर तक उड़ने की क्षमता रखता है। टिड्डी का जीवनकाल प्रायः पांच महीने का होता है। पाकिस्तान की तरफ से आए टिड्डी दलों ने पिछले साल भी भारत में 21 मई को दस्तक दी थी लेकिन तब उस हमले को हल्के में लिया गया था। जैसे-जैसे इनका दायरा विस्तृत होता गया, वैसे-वैसे यह बात साफ होती गई कि यह हमला 1993 से भी बड़ा है। अगस्त-सितंबर 1993 में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास भारी बारिश के कारण टिड्डियों के प्रजनन के लिए अनुकूल स्थिति बन गई थी और तब राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश इत्यादि राज्यों में टिड्डी दल का सबसे खतरनाक हमला देखा गया था। हालांकि फिर ठंड बढ़ने के कारण अक्तूबर माह में वह प्रकोप खत्म हो गया था। 2019 में राजस्थान के जैसलमेर इलाके में रेगिस्तानी टिड्डी दलों के हमले की शुरुआत के बाद इनका प्रकोप करीब नौ महीनों तक देश के कई हिस्सों में देखा गया। वर्षा के बाद जिन इलाकों में मौसम ठंडा हुआ, टिड्डी दल उसे छोड़ अपेक्षाकृत गर्म इलाकों की ओर प्रस्थान करता गया था। खाद्य और कृषि संगठन ने पिछली जुलाई में कहा था कि टिड्डियों का प्रकोप अधिकतम नवंबर माह तक रह सकता है, लेकिन यह सिलसिला जब दिसंबर और जनवरी के ठंडे मौसम में भी बरकरार रहा तो कृषि वैज्ञानिक चौंके। टिड्डियां सर्दियों में अपने आप ही खत्म हो जाती हैं लेकिन जलवायु परिवर्तन या किसी और वजह से इनका व्यवहार बदल गया है और ये कड़ाके की ठंड में भी कहर बरपाने लगी हैं। जहां अक्तूबर 1993 में ठंड के कारण सारी टिड्डियां मर गई थी, वहीं पिछले साल गर्मी में शुरू हुआ उनका प्रकोप इस वर्ष सर्दी का मौसम चरम पर होने के बावजूद जारी रहा। वैज्ञानिक अब यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर सर्दियों में खत्म हो जाने वाली टिड्डियां भीषण ठंड में भी कैसे अपना अस्तित्व बचाने में सफल हो रही हैं। वैज्ञानिकों का अभी तक यही मानना है कि जलवायु परिवर्तन के कारण मौसमों के बदलते पैटर्न ने ही टिड्डियों के जैविक व्यवहार में यह बदलाव किया है। संभवतः उन्हें घनघोर जाड़ों में भी किसी क्षेत्र विशेष में ज्यादा समय तक सुरक्षित रहने का अवसर मिल रहा है। कृषि विशेषज्ञों का कहना है कि अभी रबी फसलों की कटाई और थ्रैशिंग तो कर ली गई है लेकिन जिन क्षेत्रों में हरे चारे के लिए ज्वार, बाजरा तथा सब्जी और मूंग आदि बोई हुई है, वहां टिड्डी दलों से होने वाले नुकसान से बचने के लिए किसानों को कीटनाशक रसायनों का इस्तेमाल करना चाहिए। टिड्डी प्रकोप के समय उन्हें दो पारियों में क्लोरपायरीफोस 20 प्रतिशत ईसी 1200 मिली प्रति हेक्टेयर, क्लोरपायरीफॉस 50 ईसी 480 मिली प्रति हेक्टेयर, डेल्टामेथरिन 2.8 प्रतिशत ईसी 625 मिली प्रति हेक्टेयर, बेन्डियोकार्ब 80 प्रतिशत डब्ल्यूपी 125 ग्राम प्रति हेक्टेयर, मेलाथियॉन 50 प्रतिशत ईसी 1850 मिली प्रति हेक्टेयर या मैलाथियॉन 25 प्रतिशत डब्ल्यूपी 3700 ग्राम उपलब्धता के अनुसार 400 से 500 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। इन कीटनाशक रसायनों का प्रयोग करते समय किसानों को चेहरे पर मास्क तथा हाथों में दस्ताने अवश्य पहनने चाहिए तथा छिड़काव भी व्यस्क व्यक्ति द्वारा ही किया जाना चाहिए। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के लेखक हैं)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

किआ मोटर्स की बिक्री 50,000 वाहन के पार

नई दिल्ली। किआ मोटर्स की बिक्री पहली कार पेश किये जाने के 10 महीने के भीतर 50,000 आंकड़े को पार कर गयी है। कंपनी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि किआ मोटर्स की बिक्री 50,000 आंकड़े को पार कर गयी है। इन वाहनों में सेल्टोस और कार्निवल मॉडल शामिल हैं। किआ मोटर्स एकमात्र वाहन विनिर्माता कंपनी है जिनसे पहला उत्पाद पेश किये जाने के 10 महीने के भीतर बिक्री का यह आंकड़ा हासिल किया है। किआ मोटर्स इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कूखिम शीम ने कहा, ''हमने मजबूत प्रतिबद्धता और ग्राहकों के लिये अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकी के साथ नये-नये वाहन लाने के निरंतर प्रयास से यह उपलब्धि हासिल की है।''

मोदी सरकार ने मास्क-सैनिटाइजर को आवश्यक वस्तु अधिनियम से बाहर किया, फिर से बढ़ेंगी कीमतें

बिजनेस डेस्क। पिछलें दिनों कोरोना वायरस के लगातार बढ़ते मामलों के बीच मोदी सरकार ने मास्क और सैनिटाइजर को आवश्यक वस्तु अधिनियम में शामिल किया था। अब सरकार ने इसे फिर से बदलते हुए मास्क और सैनिटाइजर को आवश्यक वस्तु अधिनियम की लिस्ट से हटा दिया है। इसे आवश्यक वस्तु अधिनियम में शामिल करते हुए केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मंत्री रामविलास पासवान ने कहा था कि इससे उपलब्धता बढ़ेगी और कालाबाजारी रुकेगी। इसी बीच सरकार के नए फैसले ने फिर से मनमानी कीमतें वसूलने की इजाजत सी दे दी है। सरकार ने पहले नियम को इसलिए ही बदला था, क्योंकि बाजार में इसकी कालाबाजारी शुरू हो गई थी। कीमतें आसमान छू रही थीं। अब एक बार फिर नियम को बदलने का मतलब है कि 2-3 प्लाई सर्जिकल फेस मास्क, एन95 मास्क और हैंड सैनिटाइजर की कीमतें फिर से बढ़ेंगी। जब मोदी सरकार की तरफ से मास्क और सैनिटाइजर को आवश्यक वस्तु अधिनियम में शामिल किया था, तो नियम का उल्लंघन करने वाले को 7 साल जेल के साथ-साथ जुर्माने की सजा देने का प्रावधान था। अब दुकानदार बेधड़क होकर ऊंची कीमतों पर मास्क और सैनिटाइजर बेचेंगे।

बजाज ऑटो के इस प्लांट में सैंकड़ों मजदूर कोरोना पॉजिटिव, बंद हो सकती है फैक्ट्री

बिजनेस डेस्क। बजाज ऑटो के महाराष्ट्र के वालुज स्थित कारखाने के कर्मचारियों ने कारखाने में कामकाज को कुछ समय के लिए बंद किए जाने की मांग की है। इस कारखाने के 400 कर्मचारियों को कारोना संक्रमित पाया गया। उसके बाद कर्मचारियों के संगठन ने यह मांग की है। बजाज ऑटो वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष थेंगडे बाजीराव ने कहा, ''कोविड -19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए हमने कारखाने में कामकाज कुछ दिनों के लिए बंद किए जाने की मांग की है ताकि बीमारी के संक्रमण की चक्र को तोड़ा जा सके। हम केवल कुछ दिनों के लिए ही काम निलंबित रखने की मांग कर रहे हैं। बजाज ऑटो प्रबंधन को इस बारे में भेजे गए मेल का कोई जवाब नहीं मिला। बाजीराव ने कहा, ''कारखाने में 400 कर्मचारी पहले ही कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और 7 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रबंधन भी समस्या का समाधान तलाशने का प्रयास कर रहा है लेकिन यह सच्चाई बरकरार है कि मामले बढ़ रहे हैं। हमने उन्हें कहा है कि जो भी उत्पादन का नुकसान होगा हम उसकी भरपाई के लिए तैयार है। आठ-दस दिन में जो भी नुकसान होगा अतिरिक्त घंटे काम के जरिए उसकी भरपाई की जाएगी। हम कारखाने को नुकसान नहीं होने देंगे। कर्मचारी यूनियन में वालुज कारखाने के करीब तीन हजार सदस्य हैं। यूनियन ने मामले को लेकर प्रबंधन से बातचीत की है। आखिरी बार पिछले सप्ताह प्रबंधन से बात हुई लेकिन कोई पहल नहीं हई है। बजाज ऑटो के तीन कारखाने हैं। महाराष्ट्र में वालुज और चकन में दो कारखाने और एक उत्तराखंड के पंत नगर में है।

डीबीएस का अनुमान, अप्रैल-जून में भारतीय अर्थव्यवस्था में द्विअंकीय गिरावट का अनुमान

मुंबई (एजेंसी)।

देश की अर्थव्यवस्था में अप्रैल-जून तिमाही में 10 प्रतिशत अथवा इससे अधिक की गिरावट का अनुमान है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि कोविड-19 महामारी की वजह से आर्थिक गतिविधियों पर लगे अंकुश के चलते अर्थव्यवस्था में बड़ी गिरावट आने का अनुमान है। जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 3.1 प्रतिशत रही थी। सिंगापुर के बैंकिंग समूह डीबीएस की एक रिपोर्ट में कहा गया है, ''हमारी आंतरिक जीडीपी की गणना मॉडल के जरिये तत्काल आधार पर मौजूदा और आगे की तिमाहियों के जीडीपी आंकड़ों का अनुमान लगाया जाता है। इस आकलन से पुष्टि होती है कि 2020 की दूसरी यानी अप्रैल-जून तिमाही में जीडीपी में द्विअंकीय गिरावट आएगी। इसके बाद तीसरी तिमाही जुलाई-सितंबर में अर्थव्यवस्था में मामूली सुधार दर्ज होगा। डीबीएस समूह रिसर्च की अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा कि अर्थव्यवस्था में अचानक इतनी बड़ी गिरावट की वजह यह महामारी है। महामारी की वजह से उत्पादन में जो गिरावट आई है उसकी शेष साल के दौरान भरपाई मुश्किल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 की दूसरी छमाही में अर्थव्यवस्था को खोलने और संक्रमण पर नियंत्रण न होने की वजह से अनिश्चितता बनी रहेगी। राव ने कहा कि यह मानते हुए कि 2020 की तीसरी तिमाही में संक्रमण के मामले उच्चस्तर पर रहेंगे, हमारा अनुमान है कि 2020 में वृद्धि दर नकारात्मक रहेगी। सालाना आधार पर वृद्धि दर में 4.8 प्रतिशत की गिरावट आएगी। उन्होंने कहा कि महमारी पर नियंत्रण में विलंब और अर्थव्यवस्था को पूरी तरह खोलने में और समय लगने की स्थिति में अर्थव्यवस्था में हमारे अनुमान से 1-1.5 प्रतिशत और गिरावट रहेगी। रिपोर्ट कहती है कि अधिकारियों के समक्ष अर्थव्यस्था के पुनरोद्धार और साथ ही महामारी से संघर्ष के बीच संतुलन बैठाने की चुनौती होगी।

प्राइवेट ट्रेनों में मिलेंगी फ्लाइट जैसी सुविधाएं

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे 151 प्राइवेट ट्रेनों को चलाने की तैयारी में है। प्राइवेट ट्रेनों में एयरलाइन्स की तरह यात्रियों को पसंदीदा सीट, सामान और यात्रा की सुविधाएं दी जाएंगी। इन सुविधाओं के लिए यात्रियों को अलग से भुगतान भी करना पड़ सकता है। यह सकल राजस्व (टोटल रेवेन्यू) का हिस्सा होगा जिसे प्राइवेट ट्रेन को चलाने वाली कंपनी को रेलवे के साथ साझा करना होगा। इस बात की जानकारी रेलवे ने अपने एक दस्तावेज में दी है। रेलवे ने हाल ही में टेंडर (आरएफक्यू) जारी कर प्राइवेट यूनिट्स (जो प्राइवेट ट्रेनों को चलाएंगी) को पैसेंजर ट्रेनें चलाने के लिए आमंत्रित किया है। अधिकारियों के अनुसार इन सेवाओं के लिए यात्रियों से पैसा लेने के बारे में निर्णय भी प्राइवेट कंपनियों को करना है। रेलवे द्वारा जारी डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि अपनी वित्तीय क्षमता के अनुसार बोली लगाने वाली प्राइवेट कंपनियों को परियोजना लेने के लिए टेंडर में टोटल रेवेन्यू में हिस्सेदारी की पेशकश करनी होगी। टेंडर के अनुसार रेलवे प्राइवेट कंपनियों को यात्रियों से किराया वसूलने को लेकर आजादी देगी। साथ ही उन्हें इस बात की भी आजादी होगी कि वो कमाई के रास्ते तलाशने के लिए नये विकल्प टटोल सकते हैं। आरएफक्यू में कहा गया है, 'टोटल रिवेन्यू में साझेदारी किस प्रकार होगी यह अभी विचाराधीन है।

सुजलॉन का घाटा चौथी तिमाही में दुगुने से अधिक बढ़कर 834.22 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। पवन ऊर्जा टरबाइन बनाने वाली कंपनी सुजलॉन एनर्जी का एकीकृत शुद्ध घाटा मार्च 2020 में समाप्त तिमाही के दौरान दुगुने से अधिक बढ़कर 834.22 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। कमाई घटने और वित्तीय लागत बढ़ने के कारण कंपनी का घाटा बढ़ा है। एक साल पहले 31 मार्च 2019 को समाप्त चौथी तिमाही में कंपनी का घाटा 294.64 करोड़ रुपए रहा था। शेयर बाजारों को भेजी नियामकीय सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी है। कंपनी की परिचालन आय जनवरी से मार्च 2020 अवधि में घटकर 658.89 करोड़ रुपए रह गई जबकि एक साल पहले इसी अवधि में कंपनी ने 1,450.47 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध घाटा 2,691.84 करोड़ रुपए रहा जबकि एक साल पहले 2018-19 में यह घाटा 1,537.19 लाख करोड़ रुपए था। वहीं, 2019- 20 में कंपनी की परिचालन से कुल आय घटकर 3,000.42 करोड़ रुपए रह गई जबकि इससे पिछले वर्ष उसकी आय 5,074.64 करोड़ रुपए रही थी। सुजलॉन के समूह सीईओ जे पी चलसानी ने कहा, ''यह काफी चुनौतीपूर्ण साल रहा। वर्ष के दौरान बाजार में कामकाज काफी कम रहा और देश में कार्यशील पूंजी की तंगी और रिण पुनर्गठन प्रक्रिया के बावजूद कंपनी ने 2019- 20 के दौरान 350 मेगावाट की स्थापना की।

बैंकों ने ऋण गारंटी योजना के तहत एमएसएमई को 1.14 लाख करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किए

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बैंकों ने आपात ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) को 1,14,502 करोड़ रुपए के ऋण मंजूर किये हैं। कोविड-19 महामारी की वजह से अर्थव्यवस्था में आई सुस्ती से यह क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हालांकि, एमसएमई के लिए शत प्रतिशत गारंटीशुदा इस ऋण सुविधा योजना के तहत मंजूर ऋणों में से चार जुलाई तक 56,091.18 करोड़ रुपए का कर्ज ही वितरित हुआ है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा मई में घोषित 20 लाख करोड़ रुपए के 'आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज में यह वित्तीय सुविधा वाली यह सबसे बड़ी योजना है। वित्त मंत्रालय द्वारा ईसीएलजीएस के जारी ताजा आंकड़ों में सभी 12 सरकारी बैंकों, 20 निजी क्षेत्र के बैंकों तथा 10 गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) द्वारा किया गया वितरण शामिल है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ट्वीट किया, ''चार जुलाई, 2020 तक सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र के बैंकों ने 100 प्रतिशत ईसीएलजीएस के तहत 1,14,502.58 करोड़ रुपए मंजूर किए हैं जिसमें से 56,091.18 करोड़ रुपए वितरित किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि ईसीएलजीएस के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा मंजूर ऋण राशि बढ़कर 65,863.63 करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। चार जुलाई तक इसमें 35,575.48 करोड़ रुपए की राशि वितरित की गई। इसी दौरान निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा मंजूर ऋण राशि बढ़कर 48,638.96 करोड़ रुपए हो गई। इसमें से 20,515.70 करोड़ रुपए की राशि वितरित की जा चुकी है। सीतारमण ने कहा, ''एक जुलाई, 2020 की तुलना में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के बैंकों द्वारा मंजूर ऋण की राशि में 4,158.51 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ। इस दौरान ऋण वितरण में 3,835.65 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई। सार्वजनिक क्षेत्र के भारतीय स्टेट बैंक ने इस योजना के तहत 20,628 करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया है और 13,405 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक ने 8,689 करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया है और उसका वितरण 2,595 करोड़ रुपए रहा है। महाराष्ट्र की इकाइयों को सबसे अधिक 6,856 करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया गया है, जबकि वितरित किए गएकर्ज की राशि 3,605 करोड़ रुपए रही। तमिलनाडु की इकाइयों को 6,616 करोड़ कर्ज की राशि 3,605 करोड़ रुपए रही। तमिलनाडु की इकाइयों को 6,616 करोड़ रुपए का ऋण मंजूर किया गया, जबकि उन्हें अब तक 3,871 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया है।

सरकार बढ़ा सकती है चीनी की कीमतें

बिजनेस डेस्क। गन्ना किसानों को राहत देने के लिए सरकार जल्द चीनी का मिनिमम सेलिंग प्राइस बढ़ा सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस पर बनी सचिवों की कमेटी ने चीनी के एमएसपी को 2 रुपए तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। माना जा रहा है कि इस फैसले से शुगर मिलों का कैश फ्लो बढ़ जाएगा और आसानी से किसानों के बकाए का भुगतान कर पाएंगी। आपको बता दें कि चीनी उत्पादन वर्ष 2019-20 के दौरान देशभर के गन्ना किसानों का चीनी मिलों पर बकाया 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। अंग्रेजी के अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, सचिवों के एक समूह ने पिछले सप्ताह हुई बैठक में कीमत बढ़ाने पर अपनी सहमति दे दी है। देश के बड़े चीनी उत्पादक राज्यों के सुझाव के बाद इस प्रस्ताव पर विचार किया गया और यह एक सही फैसला हो सकता है। साथ ही, इस फैसले पर नीति आयोग ने सहमति दे दी है। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि इस फैसले से सीधे किसानों को मदद मिले। ऐसे कदम उठाए जाएंगे। पिछली बार सरकार ने फरवरी 2019 में चीनी के एमएसपी में वृद्धि की थी, जब इसे 31 रुपए प्रति किलोग्राम तय किया गया था। चीनी उत्पादन वर्ष की गणना हर साल 1 अक्टूबर से अगले साल 30 सितंबर तक की जाती है। अगर के लिहाज़ से देखें तो चीनी मिलों पर गन्ना किसानों का बकाया 22 हजार 79 करोड़ रुपए हो गया है।

मोदी सरकार की पेंशन स्कीम में बड़ा बदलाव, 2.28 करोड़ लोगों को होगा फायदा

बिजनेस डेस्क (एजेंसी)।

पेंशन नियामक पीएफआरडीए ने बैंकों से अटल पेंशन योजना के अंशधारकों के योगदान राशि में साल के दौरान किसी भी समय बदलाव के आग्रह को स्वीकार करने और उसके लिए जरूरी कदम उठाने को कहा है। इस पहल का मकसद योजना को और आकर्षक बनाना है। यह व्यवस्था एक जुलाई से लागू हो गई है। इससे पहले, अंशधारकों को केवल अप्रैल महीने में ही योगदान राशि में बदलाव की अनुमति थी। पेंशन कोष नियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) ने एक विज्ञप्ति में कहा, इस व्यवस्था से एपीवाई अंशधारक अपनी आय और एपीवाई योगदान देने की क्षमता में बदलाव के अनुसार योगदान राशि को घटा/बढ़ा सकेंगे। यह 60 साल तक योजना में योगदान बनाए रखने के लिए जरूरी है। विज्ञप्ति के अनुसार नियामक ने सभी बैंकों से साल में कभी भी एपीवाई अंधारकों के आग्रह के अनुसार पेंशन राशि को घटाने-बढ़ाने के बारे में कदम उठाने को कहा है। यह व्यवस्था एक जुलाई से प्रभाव में आ गई है। पीएफआरडीए के अनुसा हालांकि अंशधारक वित्त वर्ष में केवल एक बार पेंशन योजना में बदलाव कर सकते हैं। अटल पेंशन योजना के तहत करीब 2.28 करोड़ अंशधारक पंजीकृत हैं। पीएफआरडीए ने यह भी कहा कि एक जुलाई 2020 से एपीवाई योगदान राशि संबंधित अंशधारक के बचत खाते से स्वत- कटनी शुरू हो गई है। कोविड-19 महामारी के कारण योगदान राशि जमा करने पर 30 जून तक के लिए रोक लगाई गई थी। मौजूदा व्यवस्था के तहत अगर एपीवाई योगदान अप्रैल-अगस्त 2020 के बीच लंबित है, वह 30 सितंर तक अंशधारकों के बचत खातों से 30 सितंबर तक स्वतः कट जाएगा और उसके लिए जुर्माना स्वरूप कोई ब्याज नहीं देना होगा। अटल पेंशन योजना मई 2015 में शुरू की गई। यह योजना 18 से 40 वर्ष के देश के सभी नागरिकों के लिए खुली है। इस योजना के तहत अंशधारकों को 60 साल के होने पर हर महीने 1,000 रुपए से लेकर 5,000 रुपए तक पेंशन की गारंटी दी जाती है जो उसके द्वारा दी गई योगदान राशि पर निर्भर है। पेमेंट के लिए 3 तरह का प्लान चुन सकते हैं, मंथली निवेश, तिमाही निवेश या छमाही निवेश। यह निवेश आपको 42 साल तक करना होगा। 42 साल में आपका कुल निवेश 1.04 लाख रुपए होगा। इसके बदले में 60 साल के बाद से आपको आजीवन हर महीने 5 हजार रुपए महीना पेंशन मिलती रहेगी।योजना राष्ट्रीय पेंशन योजना के जरिए पेंशन फंड नियामक और विकास प्राधिकरण संचालित कर रहा है। इनकम टैक्स के सेक्शन 8 के तहत इसमें टैक्स छूट का फायदा मिलता है। एक सदस्य के नाम से सिर्फ 1 ही अकाउंट खुलेगा। कई बैंकों में अकाउंट खोलने की सुविधा है। नाम से सिर्फ 1 ही अकाउंट खुलेगा। कई बैंकों में अकाउंट खोलने की सुविधा है। नाम से सिर्फ 1 ही अकाउंट खुलेगा। कई बैंकों में अकाउंट खोलने की सुविधा है। शुरू के 5 साल सरकार की ओर से भी योगदान राशि दी जाएगी। अगर 60 साल के पहले या बाद में सदस्य की मौत हो जाती है, तो पेंशन की राशि वाइफ को मिलेगी। अगर सदस्य और वाइफ दोनों की मौत हो जाती है तो सरकार नॉमिनी को पेंशन देगी।

इस साल 9.13 लाख करोड़ घट जाएगा अर्थव्यवस्था का आकार

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सरकार ने भी माना है कि कोविड-19 और लॉकडाउन की वजह से अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर पड़ेगा व जीडीपी का आकार चालू वित्त वर्ष में 4.5 फीसदी घट जाएगा। वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलात विभाग (डीईए) की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। वर्तमान में देश की जीडीपी का आकार करीब 203 लाख करोड़ रुपए है। इस तरह 4.5 फीसदी की गिरावट का मतलब है कि इसमें 9.13 लाख करोड़ रुपए कमी आएगी। अप्रैल में सरकार ने विकास दर 1.9 फीसदी रहने का अनुमान जताया था लेकिन ताजा अनुमान में 6.4 फीसदी की और कमी आई है। डीएनए ने जून महीने के आकलन पर जारी रिपोर्ट में कहा है कि कोरोना की प्रभावी वैक्सीन मिलने में आ रही देरी अर्थव्यवस्था पर बेहद गंभीर असर डाल सकती है। हालांकि, सरकार और आरबीआई के कदमों से काफी राहत मिली है लेकिन उद्योगों को हम महामारी से पहले की स्थिति तक पहुंचने में काफी समय लगेगा। डीपीए के अनुसार, बाजार और कारोबारी माहौल पर अनिश्चितता के गहरे बादल छाए हैं। राजस्व वसूली भी सालाना औसत के मुकाबले आधी रह गई है। सस्ते क्रूड ने आयात के मोर्चे पर राहत दी है लेकिन निर्यात बढ़ाना बड़ी चुनौती होगी। हालांकि, इन सबके बीच व्यापार घाटा 11 साल के निचले स्तर पर आ गया है। लॉकडाउन के दौरान बिजली पानी के बिल ऑनलाइन भरने में 163 फीसदी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। वित्तीय सेवा कंपनी रेजर पे के अनुसार इस दौरान पर्सनल काउंसलिंग, डेटिंग और मैट्रिमोनी वेबसाइट्स को किए गए भुगतान में भी 32 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई। रिपोर्ट में पाया गया कि पिछले 30 दिनों में डिजिटल भुगतान में 23 फीसदी का उछाल आया है। जबकि 101 दिनों में के लॉकडाउन (24 मार्च से 2 जुलाई तक) में डिजिटल ट्रांजैक्शन में 12 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

यूरोप के फुटबॉल क्लबों की कमाई में भारी गिरावट

जेनेवा (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण यूरोपीय फुटबॉल क्लबों को अगले साल तक राजस्व में 4 बिलियन यूरो (लगभग 3.37 खरब रुपए) का नुकसान होने की आशंका है।

यूरोपीय क्लब एसोसिएशन (ईसीए) द्वारा मंगलवार को जारी एक अध्ययन के अनुसार 55 देशों के क्लबों को इस साल 1.6 बिलियन यूरो (लगभग 1.35 खरब रुपए) और आगामी 2020-21 सत्र में 2.4 बिलियन यूरो (लगभग 2.02 खरब रुपए) का नुकसान उठाना होगा। इस विश्लेषण से संभावित हस्तांतरण से होने वाले लाभ को बाहर रखा गया। ईसीए के मुख्य कार्यकारी चार्ली मार्शल ने कहा, ''अध्ययन के परिणाम बताते है कि यूरोपीय क्लबो पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव किसी भूकंप के झटके की तरह है।'' ईसीए के चेयरमैन और इटली की शीर्ष क्लब युवेंटस के अध्यक्ष एंड्रिया एगनेली ने इस महामारी को फुटबॉल उद्योग के 'अस्तित्व का वास्तविक खतरा' करार दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फुटबॉल का संचालन करने वाली फीफा ने हालांकि स्थिति से निपटने के लिए सदस्य महासंघों को ब्याज मुक्त ऋण देने की घोषणा की है। महामारी ने दुनिया भर में प्रसारण सौदों को प्रभावित किया है।

स्टेडियम में बिना प्रशंसकों के मैच आयोजन से इससे होने वाले राजस्व को नुकसान पहुंचा है।मार्शल ने कहा, ''खेल शुरू होने पर वित्तीय नुकसान का असर कम नहीं हुआ। यह अगले सत्र में भी जारी रहेगा और हमें लंबे समय तक फुटबॉल उद्योग को बचाने के लिए स्थायी उपाय करने होंगे।'' ईसीए में कुल 246 सदस्य (क्लब) है।

देश में साइबर क्राइम में 200प्रतिशत इजाफा, पीएमओ ने कहा- चीन को जिम्मेदार ठहराने के सबूत नहीं

मुंबई (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री कार्यालय के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी गुलशन राय ने सोमवार को कहा कि भारत में पिछले दो महीनों के दौरान साइबर घटनाओं में 200 प्रतिशत का इजाफा हुआ लेकिन ऐसा सबूत नहीं है कि इसके लिए चीन को जिम्मेदार ठहराया जा सके। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण घर से काम करने के लिए सेवा क्षेत्र में हुए बदलावों के कारण भर ये घटनाएं बढ़ी हैं, क्योंकि लोग गैर-भरोसेमंद अनुप्रयोगों को डाउनलोड करते हैं, जिनमें सुरक्षा उपायों का अभाव हो सकता है। भारत और चीन के बीच संबंध बीते दिनों तनावपूर्ण रहे हैं और गलवान घाटी में हिंसक झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे। इसके बाद भारत ने सुरक्षा कारणों से चीन के 59 ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया। राय ने यहां भुगतान कंपनी ईपीएस द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में कहा, ''यह सच है कि पिछले दो महीनों के दौरान साइबर घटनाओं, जैसे हैकिंग सिस्टम में काफी वृद्धि हुई है। कोई कह सकता है कि 200 प्रतिशत से अधिक (वृद्धि), यह वह आंकड़ा है जो उपलब्ध है। उन्होंने कहा, ''इस बात का कोई सबूत नहीं है कि दोनों देशों (भारत और चीन) के बीच तनाव के कारण हमले हुए हैं। राय ने कहा कि विशेष एजेंसियां स्थिति की निगरानी कर रही हैं और हमलों को भी रोक रही हैं। उन्होंने कहा, ''फिशिंग, सेवा संबंधी मसले और रैनसमवेयर के बड़े मामले आए हैं।

मामले केवल बढ़े हुए तनाव के कारण नहीं बढ़े हैं, ये मामले जनवरी और फरवरी के अंत से घर से काम करने के कारण बढ़े हैं। राय ने बताया कि कार्यालयों में आमतौर पर जरूरी सुरक्षा उपाय किए जाते हैं। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे जो भी डाउनलोड करते हैं, उसके बारे में अधिक सावधानी बरतें और सत्यापित अनुप्रयोगों को ही अपनाएं। चीनी उत्पादों पर निर्भरता के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि चीन विनिर्माण के क्षेत्र में दुनिया में अग्रणी है और हर कोई यह जानते हुए वहां से सामान खरीदता है कि वे असुरक्षित हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आत्मनिर्भर भारत का आह्वान महत्वपूर्ण है। साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका और यूरोपीय देशों सहित अन्य देश भी चीन पर निर्भरता कम करने की कोशिश कर रहे हैं। बैंकिंग धोखाधड़ी की घटनाओं को कम करने के लिए राय ने सुझाव दिया कि ऐसी व्यवस्था की जाए कि ऑनलाइन हस्तांतरण से मिली धनराशि को प्राप्तकर्ता एक घंटे तक न निकाल सके।

चीन के निवेश पर भारत की चोट, जोमैटो के लिए चीनी कंपनी की फंडिंग अटकी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पूर्वी लद्दाख में हालिया गतिरोध के बाद भारत आर्थिक मोर्चे पर चीन को लगातार झटका दे रहा है। चीनी आयात की अपने बंदरगाहों पर कस्टम मंजूरी रोकने और 59 चीनी एप्स पर रोक लगाने के बाद अब भारत ने चीनी निवेश को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। कुछ मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत अब प्रमुख स्टार्ट अप में चीनी निवेश को पूरी तरह बंद करना चाहता है। अगर ऐसा होता है तो यह चीन को आर्थिक पतन की ओर ले जाएगा और इससे दोनों देशों के बीच आने वाले समय में विवाद बढ़ेगा। 'फाइनेंशियल टाइम्स' की खबर के मुताबिक, भारत के फूड डिलीवरी एप जोमैटो ने चीन की अलीबाबा की सहायक कंपनी एंट फाइनेंशियल के साथ जनवरी में करीब 700 करोड़ (10 करोड़ डॉलर) निवेश का करार किया था। भारत में निवेश के नए नियमों के बाद चीन से होने वाली फंडिंग खतरे में पड़ गई है, क्योंकि इसके लिए सरकार की मंजूरी लेनी होगी। जोमैटो की बाजार पूंजीकरण 22 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा है। शंघाई इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल स्टडीज के रिसर्च फेलो झाओ गांचेंग ने कहा, अभी यह निश्चित नहीं है रिसर्च फेलो झाओ गांचेंग ने कहा, अभी यह निश्चित नहीं है कि जोमैटो को एंट फाइनेंशियल से फंड लेने से रोका जाएगा या नहीं, लेकिन यह कदम दिखाता है कि भारत राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के लिए हाई टेक स्टार्ट अप का भविष्य दांव पर लगाने को तैयार है। झाओ कहते हैं कि हालांकि चीन ने अभी खुद को आर्थिक तौर पर जैसे को तैसा वाली रणनीति अपनाने से रोक रखा है, लेकिन भारत लगातार चीनी कारोबार को झटका दे रहा है। यह विश्व व्यापार संगठन के नियमों का उल्लंघन है। अगर ऐसा जारी रहा तो चीन भी आर्थिक मोर्चे पर भारत को जवाब देगा। ई-कॉमर्स, सोशल मीडिया व तकनीकी वित्तीय कंपनियां और लॉजिस्टिक क्षेत्र की करीब 75 से ज्यादा कंपनियों में चीनी कंपनियों ने निवेश किया है। भारत के करीब 30 यूनिकॉर्न (एक अरब डॉलर वाले स्टार्ट अप) में चीन का निवेश है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

विश्व बैडमिंटन ने महासंघ कोरोना महामारी के कारण चाइना मास्टर्स और डच ओपन रद्द

नई दिल्ली। विश्व बैडमिंटन महासंघ ने कोरोना वायरस महामारी के कारण दो और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स और डच ओपन मंगलवार को रद्द कर दिए। महासंघ ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'दो बीडब्ल्यूएफ टूर सुपर 100 टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स और डच ओपन इस साल रद्द कर दिए गए हैं। लिंगशुइ चाइना मास्टर्स 25 फरवरी से एक मार्च के बीच होना था लेकिन इसे दो बार स्थगित करके मई और फिर अगस्त में कराने की घोषणा की गई थी। डच ओपन छह से 11 अक्टूबर तक अलमेरे, नीदरलैंड में होना था। मई में बीडब्ल्यूएफ ने संशोधित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम जारी किया था। इसके साथ ही यह भी कहा गया था कि मूल क्वालीफिकेशन अवधि में अर्जित रैंकिंग अंक बरकरार रहेंगे। रैंकिंग पहले ही बंद कर दी गई थी और अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर बहाल होने पर 17 मार्च की रैंकिंग वरीयता और प्रविष्टि का आधार होगी।

कोरोना के कारण जश्न से लेकर खेल तक का तरीका बदलेगा, किसी खिलाड़ी के पॉजिटिव मिलने पर भी मैच नहीं रुकेगा

लंदन (एजेंसी)।

कोरोनावायरस के कारण बंद पड़े इंटरनेशनल क्रिकेट की 118 दिन बाद इंग्लैंड के साउथम्पटन में नए नियमों के साथ वापसी होने जा रही है। 8 जुलाई यानी बुधवार को इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की टीमें पहले टेस्ट मैच में आमने-सामने होंगी। तीन टेस्ट की सीरीज का पहला मैच दर्शकों के बिना खाली स्टेडियम में होगा। मैच के दौरान अगर कोई खिलाड़ी पॉजिटिव पाया जाता है तो भी मैच नहीं रुकेगा। उसकी जगह दूसरा खिलाड़ी जुड़ जाएगा। इवेंट डायरेक्टर स्टीव एलवर्दी के अनुसार अब चौके-छक्के पड़ने पर बाउंड्री लाइन के बाहर गई गेंद रिजर्व खिलाड़ी ग्लव्स पहनकर खुद लाएंगे। गेंदबाज लार का प्रयोग नहीं कर पाएंगे और कोरोना सब्सटीट्यूट के रूप में अतिरिक्त खिलाड़ी भी मिलेगा। आइए जानें अन्य बदलाव... मैच के दौरान विकेट गिरने पर या जीत के बाद सभी खिलाड़ी मिलकर जश्न मनाते हैं। लेकिन अब यह देखने नहीं मिलेगा। खिलाड़ियों के गले मिलने या हाथ मिलाने पर रोक है। ऐसे में वे कोहनी मिलाकर या अन्य तरीके से जश्न मनाते दिखेंगे। ग्राउंड में 50 से 70 स्थानों पर ऑटोमेटिक सेंसरयुक्त हेंड सैनिटाइजर मशीनें लगाई गई हैं। इसे दबाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी जिससे संक्रमण का खतरा नहीं होगा। पेवेलियन के सभी दरवाजे खुले रखे गए हैं। कमरे में एसी का तापमान भी मानकों के मुताबिक सेट कर दिया गया है। मैच में फैंस नहीं आ सकेंगे। इसे दबाने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी जिससे संक्रमण का खतरा नहीं होगा। पेवेलियन के सभी दरवाजे खुले रखे गए हैं। कमरे में एसी का तापमान भी मानकों के मुताबिक सेट कर दिया गया है। मैच में फैंस नहीं आ सकेंगे। फैंस खिलाड़ी के साथ फोटो खिंचाते और ऑटोग्राफ लेते थे। लेकिन मैदान पर हमें ऐसा लंबे समय तक देखने को नहीं मिलेगा। खिलाड़ियों को होटल में ऐसा ऐप दिया जाएगा, जिससे दरवाजे अपने आप खुल जाएंगे। दरवाजे हाथ से खोलने की जरूरत नहीं होगी ? खिलाड़ी स्वेटर, कैप और चश्मे अंपायर को देते हैं। लेकिन अब मनाही है। उन्हें इसे मैदान के बाहर रखना होगा। एक खिलाड़ी का सामान दूसरा खिलाड़ी उपयोग नहीं कर सकेगा। गेंद पर लार के इस्तेमाल पर रोक। दो चेतावनी के बाद बल्लेबाजी कर रही टीम को 5 एक्स्ट्रा रन मिलेंगे। अगली गेंद डालने से पहले गेंद को संक्रमण मुक्त करने की जिम्मेदारी अंपायर की होगी।

कोरोना वायरस का असरः यूरोप के फुटबॉल क्लबों की कमाई में भारी गिरावट

जेनेवा (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के कारण यूरोपीय फुटबॉल क्लबों को अगले साल तक राजस्व में 4 बिलियन यूरो (लगभग 3.37 खरब रूपये) का नुकसान होने की आशंका है। यूरोपीय क्लब एसोसिएशन (ईसीए) द्वारा मंगलवार को जारी एक अध्ययन के अनुसार 55 देशों के क्लबों को इस साल 1.6 बिलियन यूरो (लगभग 1.35 खरब रुपये) और आगामी 2020-21 सत्र में 2.4 बिलियन यूरो (लगभग 2.02 खरब रूपये) का नुकसान उठाना होगा। इस विश्लेषण से संभावित हस्तांतरण से होने वाले लाभ को बाहर रखा गया। ईसीए के मुख्य कार्यकारी चार्ली मार्शल ने कहा, 'अध्ययन के परिणाम बताते है कि यूरोपीय क्लबो पर कोविड-19 महामारी का प्रभाव किसी भूकंप के झटके की तरह है।

ईसीए के चेयरमैन और इटली की शीर्ष क्लब युवेंटस के अध्यक्ष एंड्रिया एगनेली ने इस महामारी को फुटबॉल उद्योग के 'अस्तित्व का वास्तविक खतरा करार दिया। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फुटबाल का संचालन करने वाली फीफा ने हालांकि स्थिति से निपटने के लिए सदस्य महासंघों को ब्याज मुक्त ऋण देने की घोषणा की है। महामारी ने दुनिया भर में प्रसारण सौदों को प्रभावित किया है। स्टेडियम में बिना प्रशंसकों के मैच आयोजन से इससे होने वाले राजस्व को नुकसान पहुंचा है। मार्शल ने कहा, 'खेल शुरू होने पर वित्तीय नुकसान का असर कम नहीं हुआ। यह अगले सत्र में भी जारी रहेगा और हमें लंबे समय तक फुटबॉल उद्योग को बचाने के लिए स्थायी उपाय करने होंगे। ईसीए में कुल 246 सदस्य (क्लब) है।

रानी के संघर्ष ने मेरी परिवार को गरीबी मुक्त करने की उम्मीद जगाईः राजविंदर

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला हॉकी टीम में जगह मिलने का इंतजार कर रही युवा स्ट्राइकर राजविंदर कौर ने कहा कि उन्होंने कप्तान रानी के संघर्ष से प्रेरणा ली है और वह खेल की अपनी उपलब्धियों से अपने परिवार को गरीबी से बाहर निकालने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पंजाब के एक छोटे से गांव में जन्मी कौर के पिता ऑटोरिक्शा चालक जबकि मां गृहणी हैं। ऐसे में उनके लिये जिंदगी कभी आसान नहीं रही। लेकिन इसमें तब बदलाव आया जब उनकी स्कूल श्री गुरू अर्जुन देव पब्लिक स्कूल की उनकी कुछ सीनियर ने उन्हें हॉकी अपनाने की सलाह दी। सीनियर टीम की संभावित खिलाड़ियों में शामिल 21 वर्षीय कौर ने कहा, 'मैं एथलीट बनना चाहती थी। मैं तेज भागती थी लेकिन जब मैं नौवीं कक्षा में पढ़ रही थी तब मेरी सीनियर ने मुझे हॉकी खेलने के लिये कहा और मैंने इसमें हाथ आजमाये। कौर की तेजी और स्ट्राइकर के रूप में कौशल को देखकर 2015 में घरेलू टूर्नामेंटों के दौरान राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान उनकी तरफ गया। इसके तुरंत बाद उन्हें जूनियर राष्ट्रीय शिविर के लिये चुना गया और उन्हें 2016 में मलेशिया में अंडर-18 एशिया कप में खेलने का मौका मिला। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कौर ने कहा, 'मुझे 2017 में सीनियर राष्ट्रीय शिविर से जुड़ने का मौका मिला जहां मैंने कई शीर्ष खिलाड़ियों से बातचीत की। पंजाब में तरनतारन के मुगल चाक गांव की रहने वाली कौर ने कहा, 'हर कोई मुश्किल परिस्थितियों से गुजरकर यहां तक पहुंचा था और प्रत्येक की निजी कहानी प्रेरणादायी थी लेकिन लेकिन रानी जब युवा थी तब उनका संघर्ष और इसके बाद खेल में शिखर पर पहुंचने से मेरी उम्मीद जगी क्योंकि मैं भी उसी तरह की पृष्ठभूमि से आयी हूं और मुझे भी उम्मीद है।

गांगुली का बड़ा बयान, अगर धोनी इस क्रम पर बल्लेबाजी करते तो अधिक खतरनाक साबित होते

कोलकाता (एजेंसी)।

महेंद्र सिंह धोनी को खेल के सर्वश्रेष्ठ फिनिशर में से एक माना जाता है लेकिन उनके 39वें जन्मदिन के मौके पर पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा कि विश्व कप विजेता टीम के कप्तान रहे धोनी अगर बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आते तो और अधिक खतरनाक हो सकते थे। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के मौजूदा अध्यक्ष गांगुली ने बीसीसीआई के ट्विटर हैंडल पर भारत के युवा सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को चैट शो के दौरान कहा, 'वह सिर्फ फिनिशर नहीं है बल्कि विश्व क्रिकेट के महान खिलाड़ियों में से एक है। सभी इस बारे में बात करते हैं कि वह निचले क्रम में कैसे मैच को फिनिश करते हैं। मेरा हमेशा से मानना रहा है कि उसे बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए क्योंकि वह विध्वंसक बल्लेबाज है। धोनी ने 23 दिसंबर 2004 को बांग्लादेश के खिलाफ गांगुली की कप्तानी में ही अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था। गांगुली ने याद किया कि किस तरह पाकिस्तान के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 148 रन की पारी खेलकर धोनी ने सुर्खियां बटोरी है। गांगुली ने कहा, 'यह शानदार था। अगर आप एकदिवसीय क्रिकेट का इतिहास देखो तो सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी दबाव में भी लगातार बाउंड्री लगा सकते हैं। महेंद्र सिंह धोनी उनमें से एक था

और यही कारण है कि वह विशेष था। यह पूछने पर कि क्या उन्होंने धोनी को टीम में चुना था, गांगुली ने कहा, 'हां यह सकी है लेकिन यह मेरा काम है, क्या ऐसा नहीं है? यह प्रत्येक कप्तान का काम होता है कि वह सर्वश्रेष्ठ को चुने और सर्वश्रेष्ठ संभव टीम बनाए। धोनी को पिछले बार खेलते हुए लगभग एक साल पहले देखा गया था सर्वश्रेष्ठ संभव टीम बनाए। धोनी को पिछले बार खेलते हुए लगभग एक साल पहले देखा गया था जब विश्व कप 2019 के सेमीफाइनल में मार्टिन गुप्टिल के शानदार थ्रो पर वह रन आउट हुए थे और भारत हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

संक्षिप्त समाचार

दो ऑपरेशन के बाद दिग्गज खिलाड़ी फेडरर की नजरें 2021 ओलंपिक पर

ज्यूरिख। घुटने के दो आपरेशन से उबर रहे रोजर फेडरर की नजरें अब 2021 टेनिस सत्र और तोक्यो ओलंपिक पर लगी है। फेडरर ने सोमवार को कहा कि वह अभी शीर्ष स्तर का टेनिस नहीं खेल सकते लेकिन वह तेजी से उस ओर बढ रहे हैं। प्रशंसकों के सवालों के आनलाइन जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'अब मैं बेहतर महसूस कर रहा हूं। बीस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन फेडरर ने एकल में कभी ओलंपिक स्वर्ण नहीं जीता। उन्होंने कहा, 'मैं अगले साल यह तमन्ना पूरी करना चाहता हूं। ओलंपिक फाइनल एक अगस्त 2021 को होगा। फेडरर इसके एक सप्ताह बाद 40 वर्ष के हो जाएंगे।

सेविला ने इबार को 1-0 से हराकर चौथे स्थान पर बढ़त मजबूत की

मैड्रिड। सेविला ने फारवर्ड लुकास ओसामपोस के गोल की मदद से इबार को 1-0 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में चौथे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। अर्जेंटीनी खिलाड़ी लुकास ने यह महत्वपूर्ण गोल 54वें मिनट में किया। यही नहीं जब उन्हें अपनी टीम के चोटिल गोलकीपर की जगह संभालनी पड़ी तब उन्होंने दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में महत्वपूर्ण बचाव भी किया। इस जीत से सेविला के 34 मैचों में 60 अंक हो गए हैं। वह तीसरे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से दो अंक पीछे तथा पांचवें स्थान की टीम विल्लारीयाल से छह अंक आगे हो गया है। चार मैचों में ड्रा खेलने के बाद सेविला की यह लगातार दूसरी जीत है। इस बीच रीयाल सोसीडाड ने लेवांटे के साथ मैच 1-1 से ड्रा खेला। सोसीडाड अब भी सातवें जबकि लेवांटे 12वें स्थान पर है। अलेक्सांद्र इसाक ने सोसीडाड को 12वें मिनट में बढ़त दिला दी थी

द्वितीय फीडे महिला ग्रां प्री शतरंज रूस की गुनिना वालेंटीना बनी विजेता

मॉस्को। फीडे महिला स्पीड शतरंज के सुपर फ़ाइनल मे कौन पहुंचेगा इस पर अब दो खिलाड़ी रूस की गुनिना वालेंटीना और उक्रेन की अन्ना उशेनिना का दावा काफी मजबूत नजर आ रहा है क्यूंकी पहले ग्रां प्री मे उशेनिना नें गुनिना को हराकर खिताब जीता तो इस बार गुनिना नें उशेनिना को मात देते हुए खिताब अपने नाम कर लिया। दोनों ही खिलाड़ी ओवर ऑल रैंकिंग मे अब 20 अंक लेकर सबसे आगे चल रही है। उक्रेन की उशेनिना, जो 2012-13 में क्लासिकल विश्व चैंपियन थी, ने पहले ग्रां प्री फाइनल में गुनिना को 7-4 से हराकर पहला चरण जीताथा। और उस मुक़ाबले मे गुनिना कभी भी मुक़ाबले मे नजर नहीं आई थी। लेकिन इस बार दूसरे ग्रां प्री के फाइनल मे जबकि ऐसा लग रहा था की इतिहास खुद को दोहराएगा, क्यूंकी शुरुआत में एक बार फिर उशेनिना नें बढ़त बनाई थी और लेकिन गुनिना ने अपने प्रतिद्वंद्वी को प्रतिद्वंद्वी को बुलेट मुक़ाबले में पछाड़ दिया, जिससे स्कोर 7-5 से उसके पक्ष में हो गया।

टी-20 वर्ल्ड कप पर 10 जुलाई को फैसला संभव, कोरोना के कारण 2 साल के लिए टाला जा सकता है

करांची (एजेंसी)।

इस साल होने वाला टी-20 वर्ल्ड कप 10 जुलाई को होने वाली आईसीसी की बैठक में आधिकारिक रूप से स्थगित हो सकता है। वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया में होना है। ऑस्ट्रेलिया के अखबार डेलीटेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी बैठक में स्थगित होने की खबर जारी कर सकता है। हालांकि, शुक्रवार को होने वाली बैठक में इस पर फैसला नहीं होगा कि वर्ल्ड कप कब होगा। ऑस्ट्रेलिया अक्टूबर 2021 में इसका आयोजन चाह रहा है। लेकिन भारत को अगले साल टूर्नामेंट की मेजबानी करनी है। इसका मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया को 2 साल इंतजार करना पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया की टीम सितंबर के मध्य में इंग्लैंड का दौरा कर सकती है। तब दोनों टीमों के बीच सीमित ओवरों की सीरीज खेली जा सकती है। अगर वर्ल्ड कप स्थगित होता है, इसका मतलब है कि बीसीसीआई के लिए आईपीएल के आयोजन का रास्ता खुल जाएगा। भारत में कोविड-19 के बढ़ते केस को देखते हुए गांगुली ने कहा कि लीग के देश के बाहर होने की संभावना ज्यादा है। यूएई और श्रीलंका के बाद अब न्यूजीलैंड ने आईपीएल की मेजबानी का प्रस्ताव दिया है।

बीसीसीआई अधिकारी के मुताबिक, टी-20 वर्ल्ड कप स्थगित होने के बाद आईपीएल के आयोजन के लिए विंडो मिल जाएगी। बोर्ड की प्राथमिकता देश में आईपीएल कराने की है। बीसीसीआई सभी स्टेकहोल्डर्स (ब्रॉडकास्टर्स, टीम आदि) के साथ बैठकर इस पर फैसला लेगी। बीसीसीआई सितंबर के अंत से आईपीएल शुरू करा सकता है और नवंबर के शुरुआती हफ्ते तक खत्म कर सकता है।

आईपीएल में सबसे ज्यादा 15.5 करोड़ रुपए के कॉन्ट्रैक्ट से खुश हूं, लेकिन टेस्ट बेस्ट फॉर्मेटः पैट कमिंस

कोलकाता ।

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस इस साल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की नीलामी में सबसे ज्यादा 15.5 करोड़ रुपए मिलने से खुश हैं। उन्होंने कहा है कि नीलामी के 6 महीने बाद भी उनका जीवन नहीं बदला है। उन्हें कोलकाता ने खरीदा है। कमिंस चाहते हैं कि जल्द क्रिकेट की वापसी हो। वे खाली स्टेडियम में भी आईपीएल खेलने के लिए तैयार हैं। कमिंस ने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे जीवन में बदलाव नहीं आया। मैं हर मैच में सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास करता हूं। नीलामी में अधिक राशि मिलने की खुशी अब भी है।' टी-20 के बाद कई खिलाड़ियों ने प्राथमिकताएं बदल दी हैं लेकिन कमिंस टेस्ट को ही बेस्ट फॉर्मेट मानते हैं। ऑस्ट्रेलिया के कोच जस्टिन लैंगर ने वॉर्नर की तुलना मुक्केबाज फ्लॉयड मेवेदर से की। लैंगर ने एक कार्यक्रम में अमेरिका के महान मुक्केबाज का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'टीम में वॉर्नर का होना उसी तरह का है जैसे आपकी टीम में मेवेदर हों।' मेवेदर प्रोफेशनल फाइट कभी नहीं हारे। कोरोनावायरस के कारण 29 मार्च से होने वाला आईपीएल पहले ही अनिश्चितकाल के लिए टाला जा चुका है। बीसीसीआई इस साल सितंबर में एशिया कप या अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के टलने की स्थिति कोरोनावायरस के कारण 29 मार्च से होने वाला आईपीएल पहले ही अनिश्चितकाल के लिए टाला जा चुका है। बीसीसीआई इस साल सितंबर में एशिया कप या अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के टलने की स्थिति में उसकी जगह आईपीएल कराने पर विचार कर रहा है। इस साल 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक टी-20 वर्ल्ड कप होना ऑस्ट्रेलिया में टी-20 वर्ल्ड कप होना है। जबकि एशिया कप पाकिस्तान की मेजबानी में होगा।

बार्सिलोना क्लब के 9000 गोल पूरे, इसमें से 7 प्रतिशत लियोनेल मेसी के; टीम ने सबसे ज्यादा 6165 गोल ला लिगा में किए

कोलकाता । स्पेनिश फुटबॉल क्लब बार्सिलोना के सभी ऑफिशियल टूर्नामेंट में 9 हजार गोल पूरे हो गए हैं। स्पेनिश लीग ला लिगा में विलारियल के खिलाफ अंसु फाती के 87वें मिनट में किए गोल के साथ ही बार्सिलोना ने यह उपलब्धि अपने नाम कर ली। इन 9 हजार गोल में से टीम के कप्तान और 6 बार के बेलेन डि ओर विनर लियोनेल मेसी ने 630 गोल किए हैं यानी 7। बार्सिलोना की ओर से पहला ऑफिशियल गोल अप्रैल 1909 में हुआ था। रविवार रात विलारियल के घरेलू मैदान पर हुए मुकाबले में बार्सिलोना को 4-1 से जीत मिली। पाओ टोरेस ने तीसरे मिनट में ओन गोल कर बार्सिलोना को आगे कर दिया। सुआरेज ने 20वें, ग्रीजमैन ने 45वें और अंसु फाती ने गोल किए। स्पेनिश क्लब बार्सिलोना 34 मैच के बाद 73 पॉइंट लेकर लीग टेबल में दूसरे और रियाल मैड्रिड (77) टॉप पर है। दोनों टीमों के 4-4 मैच बाकी हैं। यदि रियाल अपने दो मैच हार जाता है तो बार्सिलोना के चैम्पियन बनने की उम्मीदें बढ़ जाएंगी।

यूनिस विवाद पर इंजमाम ने ग्रांट फ्लावर को ठहराया झूठा, कही बड़ी बात

करांची (एजेंसी)।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और मुख्य चयनकर्ता इंजमाम उल हक ने ग्रांट फ्लावर के इस सनसनीखेज दावे को बकवास करार दिया है कि आस्ट्रेलिया के दौरे के दौरान बल्लेबाजी से जुड़ी सलाह देने पर यूनिस खान ने जिंबाब्वे के इस पूर्व क्रिकेटर के गले पर चाकू रख दिया था। फ्लावर ने पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम के साथ 2014 से 2019 के बीच लगभग पांच साल के कार्यकाल की क्रिकेट से जुड़े पोडकास्ट पर चर्चा के दौरान ये सनसनीखेज आरोप लगाए थे। दरअसल, एक चैनल से बातचीत के दौरान इंजमाम ने कहा, 'उस समय मैं मुख्य चयनकर्ता था और मैं याद नहीं आ रहा कि ऐसी कोई घटना हुई थी या मुझे इस बारे में कुछ बताया गया था। इंजमाम ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि किन कारणों से ग्रांट फ्लावर ने यह बात कही लेकिन मैं यूनिस के साथ काफी खेला हूं और मैं उसे काफी अच्छी तरह जानता हूं, ऐसी कोई संभावना नहीं है कि वह किसी के साथ इस तरह की चीज करे, ग्रांट को तो छोड़ ही दीजिए। इस बीच पाकिस्तान मीडिया में आई खबरों के अनुसार यूनिस और फ्लावर ने फोन पर बात की जिससे यह मामला सुलझ गया है। फ्लावर अभी कोलंबो में हैं जबकि यूनिस बल्लेबाजी कोच के रूप में पाकिस्तान टीम के साथ इंग्लैंड में हैं। फ्लावर के अनुसार यह घटना 2016 में पाकिस्तान के आस्ट्रेलिया दौरे के दौरान घटी थी और उस समय नाश्ते की टेबल पर मुख्य कोच दौरान घटी थी और उस समय नाश्ते की टेबल पर मुख्य कोच मिकी आर्थर भी मौजूद थे। इंजमाम ने हालांकि यूनिस का साथ देते हुए कहा है कि वह पहली बार इस तरह की घटना के बारे में सुन रहे हैं।

कैरेबियाई लीग में खेलता हुआ दिखाई देगा भारतीय क्रिकेटर, आईपीएल में दिखा चुका है अपना हुनर

नई दिल्ली । भारत के अनुभवी लेग स्पिनर प्रवीण ताम्बे कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2020 के लिए ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के साथ अनुबंधित किए जाने वाले पहले भारतीय क्रि केटर बन गए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के साथ खेल चुके ताम्बे को ट्रिनबागो नाइट राइडर्स ने 7500 डॉलर पर अनुबंधित किया है। 48 वर्षीय ताम्बे आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स, गुजरात लायंस और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुके हैं। उन्हें आईपीएल 2020 सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स ने अनुबंधित किया था लेकिन यूएई में टी-10 लीग में शामिल होने के कारण आईपीएल की संचालन परिषद ने उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया। सीपीएल ड्राफ्ट में ताम्बे के अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व बल्लेबाज असद पठान दूसरे भारतीय खिलाड़ी थे लेकिन सीपीएल में किसी फ्रेंचाइजी ने उन पर बोली नहीं लगाई। अलावा रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के पूर्व बल्लेबाज असद पठान दूसरे भारतीय खिलाड़ी थे लेकिन सीपीएल में किसी फ्रेंचाइजी ने उन पर बोली नहीं लगाई। सीपीएल टूर्नामेंट 18 अगस्त से 10 सितंबर तक खेला जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मल्टीमीडिया में बढ़ती जॉब की उम्मीदें

आधुनिक युग में कंप्यूटर से जुड़े न जाने कितने ही क्षेत्र हैं जो जॉब की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण हैं। मल्टीमीडिया भी उन्हीं में से एक है। इन दिनों युवाओं की पहली पसंद बनी हुई है। अगर आप भी अपनी कल्पना को मूर्तरूप देने में सक्षम हैं तो बेशक इस क्षेत्र को अपने भविष्य के तौर पर अपनायें। फिल्मों में अक्सर ऐसा देखने को मिलता है, जो वास्तव में शायद मुश्किल हो। लेकिन यह मल्टीमीडिया में वेबसाइट डिजाइनिंग एनिमेशन स्पेशल इफेक्ट, और डिजिटल वीडियो तैयार करना शामिल है। आज देश में यूटीवी यशराज फिल्मस, रिलायंस बिग एंटरटेनमेंट जैसे बड़े-बड़े प्रोडक्शन घरानों ने ड्रीम वर्क्स वाल्ट डिज्नी और पिक्चर एनिमेशन जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर पहले ही इस सेक्टर को विस्तार देने की अपनी योजनाओं की घोषणा कर दी है। इन सब के चलते यह एक संभावनाशील सेक्टर है, जिसमें युवाओं के लिए रोजगार के भरपूर अवसर हैं।

आखिर मल्टीमीडिया है क्या?

मल्टीमीडिया वास्तव में तकनीकी और कला का मिलाजुला रूप है। कंप्यूटर तकनीकी के विकास के साथ मल्टीमीडिया ने अब एक पेशे के रूप ले लिया है। मल्टीमीडिया के तहत कंप्यूटर तकनीकी के विकास के साथ मल्टीमीडिया ने अब एक पेशे का रूप ले लिया है। मल्टीमीडिया के तहत कम्प्यूटर तकनीकी के जरिए टेक्स्ट ग्राफिक्स एनिमेशन आडियो और वीडियो जैसे एलीमेन्ट के उचित संयोजक से एंटरटेनमेन्ट मूवीज से लेकर एजुकेशन प्रोग्राम समेत और कई तरह की पावरफुल एप्लिकेशंस को बनाया जाता है। वीडियो और साउंड एडिटिंग से लेकर स्पेशल इफेक्ट्स एनिमेशन गेम्स इंटरएक्टिव मल्टीमीडिया प्रोग्रामिंग और वेब कंटेंट डेवलपमेंट तक इसके इस्तेमाल का व्यापक दायरा है।

असीमित रोजगार- हमारे देश की एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री सालाना 20 फीसदी दर से बढ़ रही है। जिसको देखते हुए आईटी सेवाओं से जुड़ी इंटरएक्टिव डिजिटल मल्टीमीडिया एनिमेशन और गेमिंग इत्यादि के लिए निकट भविष्य में तकरीबन 11 लाख दक्ष पेशेवरों की जरूरत पड़ेगी। इसके अलावा कंप्यूटर वीडियो और वायरलेस गेम डेवलपमेंट सेक्टर में भी पिछले कुछ वर्षों के दौरान उल्लेखनीय विकास दर्ज किया गया है। नैस्काम के मुताबिक एनिमेशन सेक्टर में रोजगार वर्ष 2012 तक 14700 से दोगुना होकर 29500 हो जाने की उम्मीद है। इसी तरह गेमिंग उद्योग भी अगले तीन साल में काफी नौकरियां पैदा करेगा। अनुमान है कि फिलहाल जहां 2300 लोग इस क्षेत्र में काम कर रहे हैं, वहीं 2012 में गेमिंग उद्योग में 10700 लोग होंगे। भारत में

एनिमेशन और गेमिंग उद्योग के आगे बढ़ने के लिए काफी संभावनाएं हैं।

हैं ढेरों विकल्प आपके लिए- एक बार कोर्स कंप्लीट कर लेने के बाद आप इस क्षेत्र में काफी तरक्की कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप एडिटर कंटेट प्रोवाइडर एनिमेटर, डिजाइनर, डेवलपर, मल्टीमीडिया प्रोजेक्टर मैनेजर, साउंड टेक्निशियन, वीडियो टेक्निशियन समेत और भी कई तरह के काम कर सकते हैं। मल्टीमीडिया प्रोफेशनल्स यदि चाहें तो प्रिंटमीडिया वेब पब्लिकेशन्स और ब्राडकास्ट मीडिया एंड वेब डिजाइन एनिमेशन इलेक्ट्रानिक व न्यूज मीडिया तथा फिल्मों में भी इस क्षेत्र से जुड़े प्रोफेशनल्स के लिए रोजगार के विकल्प उपलब्ध हैं।

आवश्यक कोर्स-इन दिनों मल्टीमीडिया से संबंधित कोर्स हैं, जिसमें सर्टिफिकेट कोर्स से लेकर तीन से चार साल के बैचलर डिग्री कोर्स भी उपलब्ध हैं। इंडस्ट्रियल डिजाइनिंग सेंटर नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन और सीडेक से जुड़े एनएमआरसी डेवलपमेंट के बारे में अकादमिक थिंकिंग को प्रोत्साहित कर रहे हैं। इसके अलावा एनआईडी में फिलहाल एनिमेशन फिल्म डिजाइन एंड वीडियो कम्युनिकेशन ग्राफिक डिजाइन और न्यू मीडिया डिजाइन में पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा कोर्स उपलब्ध हैं। कुछ ऐसे कोर्स भी हैं जो इस क्षेत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

- बैचलर इन मल्टीमीडिया
- बैचलर इन एनिमेशन
- बैचलर इन गेम्स एंड इंट्रैक्टिव मीडिया डिजाइनर
- बैचलर इन विजुअल कम्युनिकेशन
- डिप्लोमा इन मल्टीमीडिया एंड एनिमेशन।

बेहतर सैलरी- मल्टीमीडिया के क्षेत्र में आपको शुरूआती सैलरी के तौर पर 10-12 हजार रुपये प्रतिमाह से लेकर 25 हजार रुपये प्रतिमाह तक मिल सकते हैं। वहीं संबंधित क्षेत्र में अनुभव के बाद आप 40 हजार रुपये प्रतिमाह से अधिक की कमाई कर सकते हैं। अमेरिका, जापान, दक्षिण कोरिया, फिलीपिंस, में एनिमेशन प्रोजेक्ट का काम काफी महंगा होने के कारण वहां की कंपनियां ऐसे काम बड़ी संख्या में भारत से आउटसोर्सिंग कर रही हैं। इन सबके अलावा कार्टून फिल्मों, विज्ञापन आदि के लिए भी काम करके हर माह लाखों रुपए कमा सकते हैं।

संबंधित संस्थान

आईआईटी गुवाहाटी मुबंई
एरिना एनिमेशन एकेडमी
इंडिग्रेटेड मैनेजमेंट कॉलेज नयी दिल्ली
माया एकेडमी ऑफ एडवांस सिनेमेटिक्स हैदराबाद, मुंबई, नई दिल्ली
गेको एनिमेशन स्टूडियो नयी दिल्ली
एएफए एनिमेशन एंड फाइन आर्ट्स एकेडमी, कोयम्बटूर, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन अहमदाबाद।

फिल्मों में अक्सर ऐसा देखने को मिलता है, जो वास्तव में शायद मुश्किल हो। लेकिन यह मल्टी मीडिया में वेबसाइट डिजाइनिंग एनिमेशन स्पेशल इफक्ट्स और डिजिटल वीडियो तैयार करना शामिल है। आज देश में यूटीवी यशराज फिल्म्स रिलायंस बिग एंटरटेनमेन्ट जैसे बड़े-बड़े प्रोडक्शन घरानों ने ड्रीम वर्क्स वाल्ट डिज्नी और पिक्चर एनिमेशन जैसे प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ मिलकर पहले ही इस सेक्टर को विस्तार देने की अपनी योजनाओं की घोषणा कर दी है।

आखिर क्या और कैसे पढ़ते हैं टॉपर्स

मनोविज्ञान

मनोविज्ञान को एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुनें तो कुछ बातें ध्यान में रखें। सबसे पहले खुद से सवाल करें कि मनोविज्ञान को वैकल्पिक विषय के तौर पर क्यों चुना जाए। मनोविज्ञान मानव व्यवहार के अध्ययन का विषय है जिसका अनुप्रयोग मानव जाति के कल्याण में निहित है। इस विषय को हिंदी व अंग्रेजी दोनों माध्यम के विद्यार्थियों द्वारा बराबरी से चुना जाता है। मनोविज्ञान को चुनने के पीछे इसके दिलचस्प विषय होने के साथ-साथ कई अन्य कारण भी छिपे हुए हैं। यह एक ऐसा विषय है जिसका सिलेबस एकदम स्पष्ट है। इस विषय के संदर्भ में सटीक अध्ययन सामग्री उपलब्ध है। विषयगत अवधारणाओं को समझने के लिए बड़ा क्षेत्र है और इनको प्रायोगिक तौर पर भी समझा जा सकता है। सिविल सेवा परीक्षा में इसको चुनने के पीछे मेरा उद्देश्य यही था कि यह एक रुचिकर विषय है जिसकी तैयारी के लिए भी काफी समय मिलता है क्योंकि इसका पेपर सामान्य अध्ययन के पेपरों के पर्याप्त समय बाद होता है जिससे रिवीजन करने और बेहतर तैयारी का अच्छा खासा समय मिल जाता है।

अध्ययन सामग्री - किसी भी परीक्षा की तैयारी में अध्ययन सामग्री का चयन बेहद खास होता है। सही और सटीक अध्ययन सामग्री के चयन पर जोर दें, चुनिंदा किताबें खरीदें और कोशिश यह हो कि कम से कम समय में पूरे सिलेबस से संबंधित अध्ययन सामग्री जुटा लें। मेरा मानना यही है कि कई किताबों को एक बार पढने से अच्छा है एक किताब को कई बार पढ़ लिया जाए। मनोविज्ञान हो या? अन्य विषय सबसे बेहतर तरीका यही है कि प्राथमिक रूप से जो उपलब्ध है उसे पढ़ें, उसके बाद जो छूटे या जो कमी रहे उसके लिए अध्ययन सामग्री जुटाएं।

अध्ययन सामग्री के चयन में यह बात विशेष रूप से ध्यान में रखें कि आपको पीएचडी के लिए नहीं सिविल सेवा परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए पठनीय सामग्री की जरूरत है। इसलिए सबसे पहले पिछले वर्षों के पेपर देखें और सिलेबस को कंठस्थ कर लें। अब सिलेबस और पेपरों में किए जाने वाले सवालों के औसत से बेहतर जवाब दे सकें, उसके लिए सामग्री जुटाएं। मैं इस बारे में यही राय दूंगी कि यदि खुद यह कर पाने में मुश्किल लगता है तो कोचिंग ज्वाइन करें या कोचिंग से अध्ययन सामग्री लें क्योंकि इससे आपका आधा बोझ कम हो जाएगा और वहां से सटीक बिंदुवार अध्ययन सामग्री भी मिल जाएगी।

कहां से क्या पढ़ें

मुकुल पाठक के नोट्स - दोनों पेपरों के सिलेबस के एक-एक बिंदु को समझने के लिए एनसीईआरटी की किताबों के बाद यही सबसे मुफीद अध्ययन सामग्री है। बिना किसी पूर्वाग्रह के कोचिंग ज्वॉइन कर सकें तो कोचिंग ज्वॉइन करें अन्यथा इन नोट्स को पढ़ें। अपनी परिस्थिति के मुताबिक निर्णय लें।

मोर्गन किंग/ बैरोन या सिसरेली - इन तीनों में से कोई भी एक किताब मनोविज्ञान के सामान्य सिद्धांतों व अवधारणाओं को समझने में मददगार साबित होगी। लेकिन इससे पहले एनसीईआरटी की किताबें तो पढना अनिवार्य ही होगा। अन्यथा इन किताबों की कई अवधारणाओं को समझने में दिक्कत आएगी। इन किताबों को केवल पढ़ें नहीं, इनसे नोट्स भी तैयार करें जो परीक्षा से ठीक पहले रिवीजन में भी मदद करेंगे।

क्रेविक एंड चैप्लिन - मनोविज्ञान के विधि सिद्धांतों और तंत्रों के उच्चस्तरीय अध्ययन के लिए यह सबसे सटीक किताब है। प्रत्यक्षण, व्यक्तित्व, विचार और भाषा, मात्रात्मक मनोविज्ञान जैसे टॉपिक इसमें से ही पढ़ें और यदि पर्याप्त समय है तो पूरी किताब पढ़ें। संभव हो तो कम से कम दो बार रिवीजन भी करें। जो उम्मीदवार 350 से अधिक अंक पाना चाहते हैं उनके लिए इसे पढना बेहद जरूरी है।

कांच के टुकड़ों से चमक जाएगा कैरियर

हमारे दैनिक जीवन में कांच का इस्तेमाल कई रूपों में होता है। चाहे बर्तनों की बात हो या भवन निर्माण की, चिकित्सा की बात हो या विज्ञान संबंधी उपकरणों का जिक्र हो, फर्नीचर निर्माण हो या किसी शोपीस और शैंडेलिएर की रचना, खिलौनों की चर्चा हो या वाहन की, शीशे के बगैर बात बन ही नहीं सकती। हालांकि अब कांच की जगह कई रूपों में प्लास्टिक का भी इस्तेमाल किया जाने लगा है, इसके बावजूद कई ऐसे क्षेत्र हैं, जहां कांच की जगह कोई अन्य पदार्थ ले ही नहीं सकता। कांच के इस व्यापक इस्तेमाल के कारण यह रोजगार उत्पन्न करने के मामले में भी काफी महत्वपूर्ण है।

काम की रूपरेखा

इस सेक्टर में आप या तो ग्लास प्रोडक्शन से संबंधित कार्यों से जुड़ सकते हैं या इससे संबंधित क्राफ्ट वर्क्स से। ग्लास प्रोडक्शन में जहां बड़े पैमाने पर शीशे के उत्पादन से संबंधित कार्य किए जाते हैं, वही क्राफ्ट वर्क्स के तहत किसी वर्कशॉप या स्टूडियो में शीशे के विभिन्न उत्पाद बनाए जाते हैं, जैसे ग्लास वेयर, स्टेंड ग्लास आदि। शीशे से संबंधित डिजाइनिंग का काम भी इसके तहत आता है। ?

कोर्स कैसे-कैसे

कांच की जरूरत और उपयोगित के मद्देनजर ही इससे संबंधित पाठ्यक्रम विभिन्न संस्थानों में उपलब्ध हैं, जिनके माध्यम से कॅरियर की दिशा निर्धारित की जा सकती है। इस क्षेत्र में डिप्लोमा, सर्टिफिकेट, स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर के कोर्स हैं, जिनमें दाखिला लिया जा सकता है। ग्लास प्रौद्योगिकी और उत्पाद डिजाइन जैसे क्षेत्रों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम भी शमिल हैं। कांच से जुड़े पाठ्यक्रमों में आप कांच के गुणों को समझते हुए उसका विश्लेषणात्मक अध्ययन करते हैं। इसके तहत ग्लास की

ढलाई और उत्पादन से संबंधित समस्त बारीकियों से आप अवगत होते हैं। इसके अलावा ग्लास पर नक्काशी और विभिन्न उत्पादों के लिए इसके इस्तेमाल से संबंधित जानकारी भी आपको मिलती है।

योग्यता क्या हो

ग्लास से संबंधित विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए शैक्षणिक योग्यता इस बात पर निर्भर करती है कि आप ग्लास इंडस्ट्री में किस रूप में जुड़ना चाहते हैं। ग्लास इंजीनियरिंग के लिए जहां विज्ञान (पीसीएम) विषय से 12वीं पास होना चाहिए, वहीं ग्लास पेंटिंग या डेकोरेशन से संबंधित कोर्स में सभी आवेदन कर सकते हैं। आईआईटी जैसे संस्थानों में पढ़ाई करनी हो तो जेईई (मेंस व एडवांस्ड) क्लियर करना होगा। अन्य संस्थानों के भी अपनी-अपनी प्रवेश प्रक्रियाएं होती हैं। ?

व्यक्तिगत गुण

सेरामिक और ग्लास से संबंधित उत्पादों पर नजर डालें तो उनमें क्रिएटिविटी और डिजाइनिंग का खास महत्व होता है। ऐसे में इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए क्रिएटिव माइंड का होना भी जरूरी है। इस क्षेत्र में टीम के साथ मिलकर काम करना आवश्यक है। प्रोडक्शन के कार्य से जुड़ने के लिए गर्म माहौल में भी धैर्यपूर्वक काम करने की क्षमता होनी चाहिए।

मौके अनेक

छोटे स्तर से लेकर बड़े स्तर तक, इस क्षेत्र में जॉब कई रूपों में उपलब्ध है। जॉब भी है और स्वरोजगार के तमाम अवसर भी उपलब्ध हैं। कोर्स करने के बाद आप अपनी शुरुआत एक प्रशिक्षु (ट्रेनी) के तौर पर कर सकते हैं। इसके तहत आप शीशे की फैक्टरी या कार्यशाला में काम कर सकते हैं। शीशा का कारोबार व्यापक है। इसलिए ग्लास सेक्टर में तकनीक से लेकर प्रबंधन तक कॅरियर की तमाम संभावनाएं उपलब्ध हैं। टेंटेड ग्लास, आर्टिफिशियन ज्वेलरी आदि बनाने वाली कंपनियों में भी आप अवसर पाते हैं।

मुख्य संस्थान
ग्लास एकेडमी, कांचीपुरम, तमिलनाडु
www.glass-academy.com
गौरांग इंस्टीट्यूट ऑफ ग्लास डिजाइन टेक्नोलॉजी एंड इंफॉर्मेशन, अहमदाबाद
www.glassdesigninstitute.com
भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास, चेन्नई
www.iitm.ac.in/glassblowingsection
केंद्रीय कांच एवं सेरामिक अनुसंधान संस्थान, कोलकाता
www.cgcri.res.in
नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
www.nid.edu?

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हम आतंकवादियों को मारना नहीं चाहते हैं बल्कि उन्हें सरेंडर का मौका देना चाहते हैं: ले जनरल राजू

श्रीनगर(एजेंसी)।

सेना की 15 कापर्स के जनरल अफिसर कमांडिंग ले जनरल बीी एस राजू ने कहा कि सेना का मकसद कश्मीर में आतंकियों को मारना नहीं है बल्कि उन्हें सरेंडर का मौका देना है। चिनार कापर्स के अधिकारिक हैंडल पर अपलोड की गई एक वीडियो में अधिकारी ने कहा कि जिन्दगी का कोई भी नुकसान दुखदायक होता है। उन्होंने कहा कि 6 साल के बच्चे की मौत हो या फिर सोपोर में 65 वर्ष के व्यक्ति की मौत, दुख है। उन्होंने कहा कि अपने मृत दादा की छाती पर बैठे बच्चे की जो तस्वीर सामने आई है वो दुखद है। सैन्य अधिकारी ने कहा कि आतंकवादी भीड़ वाली जगहों पर सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ पर आ जाते हैं। इससे नुकसान होता है। उन्होंने कहा कि अब नया हथकंडा अपना रहे हैं और मिस्जदों का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मस्जिद से हमे 60 गोलियां मिली। कुछ सीआरपीएफ पर चलाई गईं थीं और कुछ उन्होंने भागने के लिए चलाई और उससे सिविल लोगों को नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं माहौल खराब करने के लिए भी इस्तेमाल की जाती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं माहौल खराब करने के लिए भी इस्तेमाल की जाती हैं। उन्होंने कहा, मैने पहले ही कहा कि हर मौत दुखद है। हम मारना नहीं चाहते हैं बल्कि उन्हें सरेंडर का मौका देना चाहते हैं।

संक्षिप्त समाचार

बाबा महाकाल के दर्शन के बाद बोले कमलनाथ, सौदे की सरकार ज्यादा दिन नहीं टिकेगी

भोपाल। मध्यप्रदेश की सियासत में बयानबाजी रुकने का नाम नहीं ले रही। हाल ही में लगातार वार-पलटवार का दौर चल रहा है। वहीं 24 विधानसभा सीटों के उपचुनावों की तैयारी भी जोरो पर है। भले ही उपचुनावों की तारीखों का एलान अभी ना हुआ हो, लेकिन कांग्रेस की तरफ से चुनावी अभियान की शुरुआत हो चुकी है। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष उज्जैन स्थित बाबा महाकाल के दर्शन करने के लिए पुहंचे। दर्शन करने के बाद उन्होने कहा कि चुनाव शंखनाद तो चलता रहता है, मैं महाकाल से आशीर्वाद लेने आया हूं। वहीं बीजेपी पर निशाना साधते हुए उन्होने कहा कि शिवराज सरकार सौदे से बनी है, सौदेबाजी का ही मंत्रीमंडल है, और सौदेबाजी के बाद ही विभाग मिलेंगे। साथ ही उन्होने कहा कि महाकाल का आशीर्वाद हम सबको मिले, ताकि प्रदेश का भविष्य सुरक्षित रहे। आपको याद दिला दें कि विधानसभा चुनाव 2018 में भी कमलनाथ ने बाबा महाकाल के दर्शन करने के बाद पार्टी का प्रचार अभियान शुरू किया था। अभी तक उप-चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं है। लेकिन बीजेपी और कांग्रेस ने अभी से उप-चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। कमलनाथ महाकाल दर्शन करने के बाद चुनाव अभियान की शुरूआत कर रहे हैं। कांग्रेस का पहला चुनाव प्रचार धार की बदनावर सीट पर होगा। कमलनाथ धार के बदनावर में पार्टी नेताओं के साथ बैठक कर, चुनाव के लिए रणनीति तैयार करेंगे। वहीं वार-पलटवार के दौर में शिवराज कैसे पीछे रहते। कमलनाथ और कांग्रेस पर चुटकी लेते हुए शिवराज ने कहाकि कांग्रेस को जो करना है करे, लेकिन भगवानके आशीर्वाद के साथ साथ जनता का आशीर्वाद भी जरुरी होता है, जो काम करेगा उसे आशीर्वाद मिलेगा।

मधुमति नाले से मिला लापता बच्चे का शव

श्रीनगर। बांदीपोरा के मुस्लिम अबद क्षेत्र से लापता बच्चे का शव एक दिन बाद नार्थ कश्मीर में मधुमति नाले से मिला। छह वर्षीय बच्चा अपने मामा के घर से सोमवार को लापता हो गया था। पुलिस के अनुसार सुबह करीब पांच बजे नाले से शव को बरामद किया गया है। रिश्तेदार और पुलिस कल से उसे तलाश कर रहे थे पर उसका कहीं पता नहीं था। मृतक की पहचान अनीस रफीक पुत्र मोहम्मद रफीक के तौर पर हुई है। वह बांदीपोरा के सुमलार का रहने वाला था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सारी कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद उसे परिवार को सौंप दिया। ऐसा माना जा रहा है कि बच्चे की मौत डूबने से हुई है।

सरकारी जमीनों की चारदीवारी कर साईन बोर्ड लगाने के निर्देश

साम्बा । संभागीय आयुक्त-जम्मू, संजीव वर्मा ने जिला मजिस्ट्रेट साम्बा, रोहित खजूरिया के साथ साम्बा जिले में सरकारी भूमि की समीक्षा करने के लिए बीरपुर, विजयपुर और साम्बा सहित जिले के विभिन्न गांवों का दौरा किया। इस अवसर पर उप मंडल मजिस्ट्रेट-विजयपुर सी.पी. कोतवाल, जिला सूचना अधिकारी अजय शर्मा के साथ ही जेडीए, राजस्व विभाग के प्रतिनिधि और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। संभागीय आयुक्त (डिवकॉम) वर्मा ने सरकारी भूमि के संबंध में जमीनी स्थिति का पता लगाने के लिए बीरपुर, पेखड़ी, विजयपुर और साम्बा का दौरा किया। उन्होंने राजस्व विभाग को जिले में स्टेट लैंड की चारदीवारी करने के निर्माण में तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने जेडीए प्रतिनिधियों को अपनी जमीन का तत्काल सीमांकन करने और रस्टेट लैंड का साइन बोर्ड लगाने पर जोर दिया। डिवकॉम वर्मा ने अधिकारियों से कहा कि वह राजस्व रिकॉर्ड को समुचित रूप से अपग्रेड करने के अलावा लोगों द्वारा कब्जाई गई सरकारी भूमि को पुन- प्राप्त करने का निर्देश दिया। उन्होंने कई स्टेट लैंड्स स्थलों का दौरा किया और अधिकारियों से यहां बाड़ लगाने और चारदीवारी करने इन जमीनों को ठीक से सीमांकित करने के लिए कहा।

कोरोना से ठीक होकर घर लौटे शख्स का जोरदार स्वागत करना पड़ा भारी, 100 पर केस दर्ज

नेशनल डेस्क। महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एक शख्स कोरोना को हराकर घर लौटा तो उसका जोरदार स्वागत किया गया लेकिन मरीज का वेलकम करना लोगों को भारी पड़ गया। दरअसल औरंगाबाद के वैजापुर इलाके में एक शख्स कोरोना से ठीक होकर अपने घर लौटा तो इलाके के लोगों ने उसके स्वागत में सोशल डिस्टेंसिंग की खूब धज्जियां उड़ाईं। सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन नहीं करने पर करीब 100 लोगों पर केस दर्ज किया गया है। यह पूरा मामला रविवार शाम को दरगा बेस एरिया का है। पुलिस निरीक्षक अनंत कुलकर्णी ने बताया कि आसपास का इलाका कंटेनमेंट जोन है। कोरोना से ठीक हुए शख्स का पहले अंबेडकर चौक और फिर उनके घर पर स्वागत किया गया। उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। वैजापुर नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष भी स्वागत करने वालों में शामिल थे, उनके खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आपदा प्रबंधन अधिनियम और महामारी रोग अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। बता दें कि महाराष्ट्र कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है।

वेंटिलेटर बनाने वाली कंपनी का राहुल गांधी को जवाब- आप नहीं हो डॉक्टर

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी हाल ही में ने फंड से खरीदे गए वेंटिलेटर्स पर सवाल उठाए थे। उन्होंने अग्वा कंपनी पर बेकार और दोयम दर्जे के वेंटिलेटर सप्लाई करने का आरोप लगाया था जिसका जवाब देते हुए कंपनी ने कहा कि आप डॉक्टर नहीं हो। वेंटिलेटर्स का निर्माण करने वाली कंपनी एगवा हेल्थकेयर ने दावा किया कि उसके वेंटिलेटर अन्य कंपनियों की तुलना में बेहद सस्ते हैं। कंपनी को-फाउंडर प्रो.दिवाकर वैश ने कहा कि हमारा वेंटिलेटर 5 से 10 गुना सस्ता है। उन्होंने कहा कि सामान्य वेंटिलेटर 10-20 लाख के बीच आता है, लेकिन हमारा केवल 1.5 लाख का है, ऐसे में हम पर आरोप लगाना गलत है। उन्होंने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि वह किसी भी डाक्टर से वेंटिलेटर की जांच करवा सकते हैं। बता दें कि कांग्रेस नेता ने इन वेन्टिलेटरों की गुणवत्ता पर सवालिया निशान लगते हुए कहा था कि देश के कई प्रतिष्ठित अस्पताल, डॉक्टरों और विशेषज्ञों का कहना है कि अग्वा कंपनी ने बेकार और दोयम दर्जे के वेंटिलेटर सप्लाई किए हैं, जिसमें गड़बड़ी करके यह दिखाया जाता है कि ऑक्सीजन सप्लाई इतनी हो रही है और जबकि होती नहीं है। इतना ही नहीं राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि पीएम केयर्स की अपारदर्शिता के कारण देश की जनता के जीवन को खतरे में डाला जा रहा है और लोगों के पैसे का इस्तेमाल घटिया क्वॉलिटी के उत्पाद खरीदने में किया जा रहा है। दरअसल एक खर में दावा किया गया था कि पीएम केयर्स के वेंटिलेटर मेकर ने घटिया क्वॉलिटी को छुपाने के लिए सॉफ्टवेयर के साथ हेराफेरी की है।

केंद्र को सेना में सभी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने के लिए एक और माह का समय मिला

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सभी सेवारत शॉर्ट सर्विस कमीशन महिला अधिकारियों को सेना में स्थायी कमीशन देने के अपने फैसले को लागू करने के लिए केंद्र को मंगलवार को एक और माह का समय दे दिया। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि केंद्र को उसके फैसले में दिए गए सभी निर्देशों का अनुपालन करना होगा। शीर्ष अदालत का यह निर्देश केंद्र की ओर से दायर एक आवेदन पर आया जिसमें उसने कोविड-19 वैश्विक महामारी का हवाला देकर फैसले के क्रियान्वयन के लिए छह माह का समय मांगा था। उच्चतम न्यायालय ने 17 फरवरी को अपने ऐतिहासिक फैसले में निर्देश दिया था कि सेना में सभी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन और कमांड पोस्टिंग दी जाए। शीर्ष अदालत ने महिलाओं की शारीरिक सीमा का हवाला देने वाले केंद्र के रूख को खारिज करते हुए इसे च्चलैंगिक रूढियों और महिला के खिलाफ लैंगिक भेदभावज्ज् पर आधारित बताया था। इसने केंद्र को निर्देश दिया था कि तीन माह के भीतर, सभी सेवारत शॉर्ट सर्विस कमीशन (एसएससी) महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन देने पर विचार किया जाएगा भले ही वे 14 वर्ष या 20 वर्ष सेवाएं दे चुकी हों।

रेलवे के 872 कर्मी, उनके परिवार के सदस्य और सेवानिवृत्त कर्मी कोरोना वायरस से संक्रमित

मुंबई। मध्य रेलवे और पश्चिमी रेलवे के 872 कर्मचारी, उनके परिवार के सदस्य और सेवानिवृत्त कर्मी अब तक कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं और इनमें से 86 की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी । अधिकारियों ने बताया कि सभी को पश्चिमी रेलवे के जगजीवन राम अस्पताल में भर्ती किया गया है। इस अस्पताल को अप्रैल में कोविड-19 अस्पताल घोषित किया था। अधिकारियों ने बताया कि इन कुल मामलों में से 559 मध्य रेलवे और 313 पश्चिमी रेलवे से है। कोविड-19 की वजह से मरने वाले 86 मरीजों में से 22 रेलवे के मौजूदा कर्मचारी (मध्य रेलवे के 14 और पश्चिमी रेलवे के आठ कर्मचारी) थे । अधिकारियों ने बताया कि मौजूदा समय में कर्मचारियों के परिवार के सदस्य और सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अलावा 132 रेलवे कर्मचारियों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। मध्य और पश्चिमी रेलवे अभी कुछ विशेष ट्रेनों, मालवाहक ट्रेनों और सीमित यात्रियों के साथ 700 ट्रेनों का परिचालन कर रहा है। कुछ रेल यूनियनों का दावा है कि 15 जून के बाद लोकल ट्रेन सेवाओं के परिचालन बहाल होने के बाद से रेल कर्मियों के संक्रमित होने की संख्या बढ़ी है।

शर्मनाक: कोरोना मरीज का शव अस्पताल के सामने छोड़क कर भाग गए एंबुलेंस कर्मी

नई दिल्ली(एजेंसी)।

देश में कोरोना का खतरा कम होने का नाम नहीं ले रहा है। भारत में कोविड-19 के 22,252 नए मामले सामने आने के बाद मंगलवार को देश में संक्रमण के मामले बढ़कर सात लाख के पार पहुंच गए। महज पांच दिन में ही संक्रमण के मामले छह लाख से सात लाख हो गए हैं। इस महामारी से जान गंवाने वालों की संख्या भी 20,000 के पार पहुंच गई है। वहीं मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भी मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई है जहां कोरोना मरीज के शव को अस्पताल के बाहर फुटपाथ पर छोड़कर एक एंबुलेंस कर्मी भाग निकले।

यह सारी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। दरअसल रात के अंधेरे में पीपीई किट पहने हुए दो एंबुलेंस कर्मी स्ट्रेचर पर एक शव लेकर वाहन से बाहर आते हैं और शव को अस्पताल के बाहर ही रखकर भाग निकलते हैं। मृतक के बेटे का कहना है कि वह

23 जून से बीमार चल रहे थे। जब उन्हें चिरायु अस्पताल में भर्ती किया जा रहा था तो वह जीवित थे। एंबुलेंस में क्या हुआ और उनकी जान क्यों चली गई कुछ पता नहीं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस अब मामलें की जांच में जुटी हुई है।

भारी बारिश से गुजरात बेहाल, जिंदा मवेशी बहे...30 साल पुराना पुल भी ढहा

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

गुजरात के कई हिस्सों में सोमवार से भारी बारिश हो रही है। भारी बारिश के चलते गुजरात में बाढ़ जैसे हालात हैं। गुजरात में बारिश से हुई तबाही की स्वीरें सामने आई हैं। नदी-नाले उफान पर हैं। जलभराव में गाड़ियां ऐसे बहती दिखी जैसे खिलौने तैर रहे हों। वहीं राजकोट में तो दिल दहलाने वाला मंजर देखने को मिला। यहां पानी में जिंदा मवेशी बह गए। भारत मौसम विभाग ने कहा कि मानसून अभी पूरे जोर पर है और अगले तीन दिनों तक गुजरात के कई हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। गुजरात के देवभूमि द्वारका जिले के खंभालिया तालुका में 487 मिलीमीटर बारिश होने के एक दिन बाद सौराष्ट्र क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश जारी रही, जिससे कुछ क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बारिश से उपजे हालत से निपटने के लिए खंभालिया में सोमवार को राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के एक दल को तैनात किया गया।

एक स्थानीय अधिकारी ने कहा कि बारिश के कारण जूनागढ़ में लगभग 30 साल पुराना एक पुल ढह गया। उन्होंने बताया कि पुल ढहने से किसी के घायल होने की खबर नहीं है। वहीं गिर के जंगलों में भारी बारिश के कारण सात शेर शहर की तरफ आ गए।

मुंबई में अगले 24 घंटे भारी बारिश का अलर्ट, अगले कुछ दिनों में ऐसा ही रहेगा मौसम

नेशनल डेस्क(एजेंसी) ।

मुंबई और इसके आसपास के क्षेत्रों में पिछले 24 घंटे में मध्यम से भारी बारिश हुई है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने मंगलवार को बताया कि आने वाले दिनों में इन इलाकों में रुक-रुक कर भारी बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में माथेरन में सुबह साढ़े आठ बजे के अनुसार पिछले 24 घंटे में 93.4 मिमी बारिश दर्ज की गई जबकि ठाणे-बेलापुर औद्योगिक संघ वेधशाला में 74 मिमी बारिश दर्ज की गई। मुंबई के पश्चिमी उपनगर सांताक्रूज़ मौसम केन्द्र ने इस अवधि में 30.2 मिमी बारिश दर्ज की।

दक्षिण मुंबई के कोलाबा मौसम केन्द्र में इस दौरान 13.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। भारत मौसम विज्ञान विभाग की मुंबई शाखा के उप महानिदेशक के. एस. होसालिकर ने ट्वीट किया कि मुंबई और उसके आसपास के इलाकों में 7 जुलाई सुबह साढ़े आठ बजे तक, पिछले 24 घंटे में मध्यम से भारी बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार रायगढ़ जिले के अलीबाग में सुबह साढ़े आठ बजे

तक पिछले 24 घंटे में 54 मिमी बारिश दर्ज की गई, वहीं पालघर की डहाणू वेधशाला में 34.7 मिमी बारिश दर्ज की गई। इनके अलावा नासिक मौसम केंद्र ने 25.2 मिमी, कोंकण क्षेत्र के रत्नागिरि जिले के हरणाई केंद्र में 30.2 मिमी और कोल्हापुर जिले में इस दौरान 7.4 मिमी बारिश दर्ज की गई।

विश्व में कोरोना से 5.37 लाख मौतें, अमेरिका में अब तक 29 लाख से अधिक संक्रमित

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

वैश्विक महामारी कोरोना वायरस का कहर बढ़ता जा रहा है और दुनिया भर में इसके संक्रमितों की संख्या 1.15 करोड़ से अधिक हो गई है जबकि 5.37 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी हैं। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के अनुसार विश्व भर में कोरोना संक्रमितों की संख्या 1,15,92,259 हो गयी है जबकि 5,37,487 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। कोविड-19 के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के आंकड़ों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे और ब्रिटेन तीसरे स्थान पर है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 29,35,716 लोग संक्रमित हो चुके हैं तथा 1,30,284 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। ब्राजील में अब तक 16,23,284 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 65,487 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना संक्रमण के 22,252 नये मामले सामने आये हैं और अब कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 7,19,665 हो गई है। इसी अवधि में कोरोना वायरस से 467 लोगों की मृत्यु होने से मृतकों की संख्या बढ़कर 20,160 हो गई है। देश में इस समय कोरोना के 2,59,557 सक्रिय मामले हैं और अब तक 4,39,948 लोग इस महामारी से निजात पा चुके हैं। रूस में भी कोविड-19 के मामलों में चौथे नंबर पर पहुंच गया है और यहां इसके सक्रमण से अब तक 6,86,852 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 10,280 लोगों ने जान गंवाई है। पेरु में लगातार हालात खराब होते जा रहे है वह इस सूची में पांचवे नम्बर पर पहुंच गया है वहां संक्रमितों की संख्या 3,05,703 हो गई तथा 10,772 लोगों की मौत हो चुकी है। संक्रमण के मामले में चिली विश्व में छठे स्थान पर आ गया हैं। यहां अब तक कोरोना वायरस से 2,98,557 लोग संक्रमित हुए हैं और मृतकों की संख्या 6384 है। ब्रिटेन संक्रमण के मामले में सातवें नंबर पर आ गया है। यहां अब तक इस महामारी से 2,87,290 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 44,321 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। कोरोना संक्रमण के मामले में मेक्सिको स्पेन से आगे निकल कर आठवें स्थान पर आ गया है और यहां संक्रमितों की संख्या 2,61,750 पहुंच गई है और अब तक इस वायरस से 31,119 लोगों की मौत हुई है। स्पेन में कोरोना संक्रमितों की की संख्या 251,789 है जबकि 28,388 लोगों की मौत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना संक्रमितों की संख्या 205721 हो गई और 3310 लोगों की मौत हो चुकी है। फ्रांस में कोरोना संक्रमितों की संख्या 205,597 हैं और 29,923 लोगों की मौत हो चुकी है। जर्मनी में 1,98,064 लोग संक्रमित हुए हैं और 9022 लोगों की मौत हुई है। वैश्विक लोग संक्रमित हुए हैं और 4,641 लोगों की मृत्यु हुई है।कोरोना वायरस से बेल्जियम में 9771, कनाडा में 8748 , नीदरलैंड में 6147 , स्वीडन में 5433, इक्वाडोर में 4821 , मिस्र 3422, इंडोनेशिया 3241, इराक 2567, स्विट्जरलैंड में 1965, आयरलैंड में 1741, पुर्तगाल में 1620 और अर्जेंटीना में 1582 लोगों की मौत हुई है।

लाल आतंक का कहर, पुलिस जवान के माता पिता को उठा ले गए नक्सली

नेशनल डेस्क। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा जिले में नक्सलियों ने पुलिस जवान के माता पिता का अपहरण कर लिया है। पुलिस ने इसकी जानकारी दी । दंतेवाड़ा के पुलिस अधीक्षक अभिषेक पल्लव ने बताया कि जिले के किरंदुल थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुमियापाल गांव में सोमवार रात नक्सलियों ने डीआरजी के जवान अजय तेलाम के पिता लच्छु तेलाम 64 वर्षः और माता विज्जो तेलाम 62 वर्ष का अपहरण कर लिया है। पल्लव ने बताया कि नक्सलियों ने घटना को अंजाम देने के दौरान पुलिस जवान की बहन के साथ मारपीट की और उसका मोबाइल फोन छीनकर वहां से फरार हो गए। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अजय तेलाम पिछले वर्ष डीआरजी में भर्ती हुआ था तथा वह दंतेवाड़ा स्थित पुलिस शिविर में रहता है। उन्होंने कहा कि पुलिस को आशंका है कि नक्सली क्षेत्र में चल रहे लोन वर्राटू अभियान से परेशान हैं, जिस कारण उन्होंने यह कदम उठाया है। दंतेवाड़ा जिला में पुलिस ने पिछले माह लोन वर्राटू अभियान की शुआत की थी। इस अभियान के तहत गांवों और सार्वजनिक स्थानों पर जिन नक्सलियों के सर पर इनाम हैं ऐसे नक्सलियों का बैनर पोस्टर लगाया जा रहा है तथा उन्हें आत्मसमर्पण कर समाज की मुख्यधारा में शामिल होने के लिए कहा जा रहा है। गुमियापाल गांव में पुलिस ने नक्सलियों का पोस्टर लगाया था जिसके बाद से 15 से 20 नक्सली आत्मसमर्पण करने के पुलिस से संपर्क करने की कोशिश कर रहे थे। कुछ नक्सली चाहते हैं कि उनके लोग आत्मसमर्पण न करें और यही वजह है कि उन्होंने अजय के परिवार को निशाने पर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि यह घटना यह दर्शाती है कि बस्तर क्षेत्र में अपनी जमीन खिसकने के कारण नक्सली परेशान हैं और इसी कारण वह पुलिसकर्मियों के परिवार वालों पर हमला कर रहे हैं। पिछले सप्ताह नक्सलियों ने जिले के हिरोली गांव में एक पुलिसकर्मी के रिश्तेदार की हत्या कर दी थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में चीन के खिलाफ प्रदर्शन

पेशावर (एजेंसी)।

कोरोना संकट के बाद चीन जिस तरह दुनिया में अलग-थलग पड़ा है और उसके बाद भारत से साथ संघर्ष ने कई बड़े देशों को उसके खिलाफ कर दिया है। इससे पाकिस्तान में भी खलबली मची हुई है। भारत के साथ गलवान घाटी में हिंसक झड़प व हांगकांग में विवादित कानून को मंजूरी के बाद चीन के खिलाफ दुनिया भर में लोग अपने गुस्से का इजहार कर रहे है। इस बीच पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में लोगों ने चीन के खिलाफ प्रदर्शन किया। इन लोगों का आरोप है कि पाकिस्तानी सरकार चीन के साथ मिलीभगत कर काम कर रही है। पाक अधिकृत कश्मीर के मुजफ्फराबाद में लोग चीन-पाकिस्तान के द्वारा मिलकर बनाए जा रहे एक डैम प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। मुजफ्फराबाद में झेहलम और नीलम नदी के पास पाक सरकार चीन की मदद से एक डैम बना रही है। मुजफ्फराबाद के निवासियों का कहना है कि इस डैम के बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है, ना ही उनसे सलाह ली गई है । यहां के निवासियों ने आरोप लगाया कि पाक सरकार ने सिर्फ पैसे के लिए चीन के साथ यह डैम बनाने का सौदा किया है। इस प्रोजेक्ट से स्थानीय लोगों को कोई फायदा नहीं है। इससे पहले भी पाक अधिकृत कश्मीर के लोग चीन की तरफ से बनाए जा रहे वन बेल्ट वन रोड प्रोजेक्ट का विरोध करते आए हैं। बता दें कि पाकिस्तान के विदेश विभाग ने प्रधानमंत्री इमरान खान को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें पाकिस्तान की चीन नीति पर दोबारा विचार करने को कहा है। गौरतलब है कि पाकिस्तान काफी समय से चीन से कर्ज लेता रहा है जिसकी वजह से चीन अब पाकिस्तान में हर जगह पहुंच चुका है। यहां तक कि कराची के ग्वादर पोर्ट पर अब पूरी तरह से चीन का ही कब्जा हो चुका है ।

ट्रंप पर कोरोना-19 का खतरा, प्लेन में साथ सफर करने वाली गवर्नर निकली कोरोना पॉजिटिव

इंटरनेशनल डेस्क (एजेंसी)।

साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोइम कोरोना वायरस से संक्रमित मिलीं। क्रिस्टी ने शुक्रवार की रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ एयरफोर्स वन में भी सफर किया था। क्रिस्टी ने ट्रंप के बेटे की उस महिला दोस्त किम्बर्ली गिलफोयल से भी मुलाक़ात की थी जो बाद में संक्रमित पाई गई थी। क्रिस्टी की प्रवक्ता मैगी सीडल के मुताबिक नोइम ने विमान में मास्क नहीं पहना हुआ था और वह राष्ट्रपति से ऐसे ही बातचीत करती रही। ट्रंप पूरे वक्त उस स्थिति में रहे जहां उन्हें बीमार नजर नहीं आने वाले व्यक्ति से वायरस फैल सकता था जैसे कि वह ट्रंप के बिल्कुल करीब से बातचीत करती रही। जैसे कि नोइम, जिन्होंने डोनाल्ड ट्रंप जूनियर की महिला मित्र किम्बर्ली गिलफोयल के साथ चंदा जुटाने के एक कार्यक्रम के दौरान करीब से बातचीत की थी। नोइम शुक्रवार को साउथ डकोटा में शुक्रवार को ट्रंप का स्वागत करने से पहले ष्टश्र1द्बस्र-19 की जांच में नेगेटिव पाई गई थीं। इससे एक दिन पहले उन्होंने गिलफोयल से बातचीत की थी। सोशल मीडिया पर एक तस्वीर में नोइम और गिलफोयल एक-दूसरे से गले मिलते नजर आ रही हैं। गिलफोयल शुक्रवार को कोरोना वायरस से संक्रमित पाई गईं। सीडल ने कहा कि नोइम फिर से जांच कराने के बारे में नहीं सोच रही हैं। उन्होंने एयर फोर्स वन में सफर करने के नोइम के फैसले को इस बात का उदाहरण बताया कि वायरस के साथ कैसे जिया जाता है। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की उस टिप्पणी का भी हवाला दिया कि बिना लक्षण वाले लोगों से वायरस का प्रसार दुर्लभ है।

नाइजीरिया में संरा के राहत हेलीकॉप्टर पर गोलीबारी, 2 लोगों की मौत

डकार (एजेंसी)।

उत्तर पश्चिम नाइजीरिया में सप्ताहांत में संदिग्ध इस्लामिक जिहादियों ने संयुक्त राष्ट्र के एक हेलीकॉप्टर पर गोलीबारी की, जिसमें दो लोगों की जान चली गई।राष्ट्रपति मोहम्मद बुहारी ने हमले के लिए कट्टरपंथी समूह बोको हराम से जुड़े आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया और इसके कड़े परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहने की चेतावनी भी दी। राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, '' बोको हराम के आतंकवादी स्पष्ट रूप से पूरी तरह पिछड़ चुके हैं और अब मासूम नागरिकों, संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार कार्यकर्ताओं पर हमले बढ़ा रहे हैं। यह अपनी नाकामी को छुपाने और खुद को मजबूत दिखाने की उनकी निराशा को प्रदर्शित करता है।''उत्तर पश्चिम नाइजीरिया में सहायता समूहों की सुरक्षा हमेशा से ही एक चिंता का विषय रहा है, जहां बोको हराम करीब एक दशक से मानवाधिकार कार्यकर्ताओं का अपहरण और उनकी हत्या कर रहा है। शनिवार को हुए इस हमले की हालांकि अभी तक किसी ने कोई जिम्मेदारी नहीं ली है।नाइजीरिया में संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार संचालक एडवर्ड कैलन ने कहा कि मृतकों में पांच वर्षीय एक बच्चा भी शामिल है। चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं और हमले के समय हेलीकॉप्टर में कोई सहायता कर्मी सवार नहीं था।उत्तर पश्चिम नाइजीरिया में जिहादी हिंसा के कारण करीब 19 लाख लोग विस्थापित हुए हैं और संयुक्त राष्ट्र विश्व भोजन कार्यक्रम ने चेताया है कि यहां करीब 30 लाख लोग भुखमरी की मार झेल रहे हैं।

ब्राजील राष्ट्रपति बोलसोनारो के फेफड़ों के 'एक्स-रे' बाद हुआ कोरोना टेस्ट

साओ पाउलो (एजेंसी)।

ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो की कोविड-19 की जांच की गई है। फेफड़ों का 'एक्स-रे' कराने के बाद उनकी यह जांच की गई। उन्होंने कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण के बारे में नहीं बताया । ब्राजील के राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि जांच की रिपोर्ट मंगलवार को आएगी। इससे पहले बोलसोनारो खुद को लगातार स्वस्थ बताते रहे है। ब्राजील की सुप्रीम कोर्ट ने मई में बोलसोनारो की कोविड-19 की तीन जांच रिपोर्ट सार्वजनिक की थी, इन तीनों जांच रिपोर्टों में उनमें संक्रमण की पुष्टि नहीं हुयी थी । अमेरिका के फ्लोरिडा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात के बाद बोलसोनारो ने मार्च में ये तीनों जांच करवाये थे ।ब्राजील के राष्ट्रपति ने हालांकि यह नहीं बताया कि इसके बाद से उन्होंने कोविड–19 जांच करवायी है या नहीं । कोई जांच कराया है अथवा नहींब्राजील में केाविड-19 से अभी तक 65,000 लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच, ब्राजील के अमेजन वर्षावन में मनौस और रियो डी जेनेरियो के महानगरीय क्षेत्र में ड्यूक डे काक्सियास में निजी स्कूलों में एक बार फिर कक्षाएं शुरू हो गई। कोविड-19 के प्रकोप के बाद ऐसा करने वाले ये पहले शहर हैं। देश के निजी स्कूल संघ 'फेनेप' के अनुसार अमेजन के गवर्नर और ड्यूक डे काक्सियास के मेयर ने सोमवार को शहर के निजी स्कूलों को दोबारा खोलने की अनुमति दे दी। अन्य शहरों में अभी स्कूल नहीं खुले हैं।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका टिकटॉक, अन्य चीनी सोशल मीडिया ऐप पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहा : पोम्पिओ

वाशिंगटन। सात जुलाई (भाषा) विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा है कि अमेरिका टिकटॉक समेत चीन के सोशल मीडिया ऐप्लिकेशनों को प्रतिबंधित करने पर निश्चित तौर पर विचार कर रहा है। भारत ने 29 जून को टिकटॉक और यूसी ब्राउजर समेत चीन से संबंधित 59 ऐप पर यह कहते हुए प्रतिबंध लगा दिया था कि वे देश की संप्रभुता, अखंडता एवं सुरक्षा के लिए प्रतिकूल थे। फॉक्स न्यूज की लॉरा इनग्राहम के साथ सोमवार को एक साक्षात्कार में पोम्पिओ ने कहा कि वह और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इन खबरों को बेहद गंभीरता से ले रहे हैं, जब साक्षात्कारकर्ता ने उन्हें बताया कि भारत ने पहले ही ऐप पर प्रतिबंध लगा दिया है और ऑस्ट्रेलिया भी ऐसा करने पर विचार कर रहा है। उन्होंने कहा, हम इसे बेहद गंभीरता से ले रहे हैं और निश्चित तौर पर इसपर विचार कर रहे हैं। हमने लंबे समय से इस मुद्दे पर काम किया है, चाहे वह आपकी अवसंरचना में हुवावे प्रौद्योगिकी रखने की समस्या हो- हमने दुनिया भर में देखा और हम इसे बाहर करने में असल में प्रगति कर रहे हैं - हमने जेडटीई को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा घोषित किया है। पोम्पिओ ने कहा, जहां तक लोगों के फोन में चीनी ऐप होने की बात है तो मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि अमेरिका इस समस्या को भी ठीक कर लेगा । साथ ही कहा कि वे इसकी गहराई में नहीं जाना चाहते और राष्ट्रपति की किसी घोषणा से पहले खुद कुछ नहीं कहना चाहते। उन्होंने अमेरिकी लोगों को आगाह किया कि अगर वे अपनी निजी सूचना चीन की कम्युनिस्ट पार्टी को नहीं सौंपना चाहते तो वे टिकटॉक के इस्तेमाल में सावधानी बरतें। चीनी सोशल मीडिया ऐप पर पोम्पिओ की टिप्पणियां बीजिंग के साथ कई मुद्दों पर द्विपक्षीय संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच आई हैं। इनमें कोरोना वायरस प्रकोप और हांगकांग में लागू किया गया विवादित राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का मुद्दा भी शामिल है।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के पश्चिमी मध्य प्रांत जावा में मंगलवार की सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। मौसम विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी के अनुसार रिक्टर पैमाने पर भूकप की तीव्रता 6.1 मापी गई है। भूकंप से सुनामी की कोई आशंक नहीं है।विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवाएं लें।

चीन में विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा शुरू

बीजिंग। सात जुलाई (एपी) कोरोना वायरस के कारण हुई देरी के बाद चीन में मंगलवार से विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा शुरू हुईं। करीब 1.1 करोड़ छात्र इसमें भाग ले रहे हैं। दो दिन आयोजित होने वाली यह प्रवेश परीक्षा विद्यार्थियों के भविष्य को तय करने में मुख्य भूमिका अदा करती है। महामारी की वजह से यह प्रवेश परीक्षा अपने तय समयसीमा से कई सप्ताह बाद आयोजित हो रही है। इस परीक्षा को महामारी की शुरुआत के बाद से पहली बार बड़ी संख्या में लोगों के जमा होने के तौर पर देखा जा रहा है और प्रशासन ने संक्रमण को रोकने के लिए कई कड़े नियम लागू किए हैं। इनमें से एक है स्वस्थ होने का सबूत देना। इसके अलावा सामाजिक दूरी के नियम का पालन करना और मास्क पहनना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य परिषद ने बताया कि चीन में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के आठ नए मामले सामने आए हैं। ये सभी लोग देश से बाहर से आए हैं। चीन में महामारी की वजह से अब तक 4,634 लोगों की मौत हुई है और 83,565 लोग संक्रमित हुए हैं।

धमकी के बावजूद अमेरिका ने दक्षिण चीन सागर में दिखाया दमखम, बौखला गया चीन

इंटरनेशनल डेस्क। भारत समेत कई पड़ोसी मुल्कों पर धौंस जमा रहे चीन को अमेरिका ने करारा जवाब दिया है। ड्रेगन की धमकी के बावजूद अमेरिकी नौसेना द्वारा विवादित दक्षिण चीन सागर में युद्धाभ्यास कर ताकत दिखाने पर चीन बौखला गया गया है। यह अभ्यास समुद्री क्षेत्र में फिलीपींस, वियतनाम जैसे देशों को तंग करने पर चीन को सीधी चेतावनी है। अमेरिकी नौसेना ने कहा कि उसके युद्धपोत यूएसएस निमित्ज और यूएसएस रोनाल्ड रीगन ने अन्य पोत और विमानवाहक पोत के जरिये दक्षिण चीन सागर क्षेत्र में युद्धाभ्यास किया। उसने कहा कि अभ्यास का उद्देश्य हवाई रक्षा क्षमता बढ़ाने के साथ विमान वाहक पोत से लंबी दूर तक मार करने की क्षमता को अचूक बनाना था। गौरतलब है कि चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा ठोकता है, जबकि पांच अन्य देशों ने इस पर अपना अधिकार क्षेत्र बताया है। यहां से करीब पांच लाख करोड़ के सामान की हर साल आवाजाही होती है। अमेरिकी नौसेना ने ग्लोबल टाइम्स की एक रिपोर्ट के आधार पर चीन पर पलटवार किया था। चीन के ग्लोबल टाइम्स ने एक ट्वीट में लिखा था, चीन के पास ष्टस्र-21ष्ट और ष्टस्र-26 जैसे हथियारों की लंबी शृखंला मौजूद है। दक्षिण चीन सागर पूरी तरह से एलपीए की मुट्ठी में है। अमेरिका ने अपने दो विमान वाहक को दक्षिणी चीन सागर में यूएसएस रोनॉल्ड रीगन और यूएसएस निमित्ज को सैन्य अभ्यास के लिए भेजा है।

लाखों भारतीय छात्रों को छोड़ना पड़ सकता है अमेरिका, स्टूडेंट वीजा वापस लेने की घोषणा

नेशनल डेस्क। कोरोना संकट के बीच अमेरिका ने अपने नियमों में एक और बदलाव किया है, जिससे लाखों भारतीय छात्रों को झटका लग सकता है। अमेरिका ने ऑनलाइन क्लास वाले विदेशी छात्रों का स्टूडेंट वीजा वापस लेने की घोषणा कर दी है, यानी की वहां पढ़ रहे लाखों छात्रों को अपने देश लौटना पड़ सकता है। अमेरिका का मानना है कि जिन अंतरराष्ट्रीय छात्रों की ऑनलाइन क्लासेज चल रही हैं तो ऐसे में उनके पास यहां रुके रहने की कोई ठोस वजह नहीं है। अमेरिकी प्रशासन ने सभी यूनिवर्सिटीज़ और कॉलेजों को जल्द से जल्द सभी कोर्सेज ऑनलाइन शुरू करने का निर्देश दे दिया है, इस फैसले का असर लाखों भारतीय छात्रों पर भी पड़ेगा। इस फैसले का असर लाखों भारतीय छात्रों पर भी पड़ेगा। इस फैसले का असर लाखों भारतीय छात्रों पर भी पड़ेगा। इमीग्रेशन ऐंड कस्टम्स एनफोर्समेंट ने कहा कि विदेशी छात्र स्टूडेंट वीजा लेकर अमेरिका आकर पढ़ाई करते हैं, जिनकी स्टडी ऑनलाइन मॉडल्स पर आधारित है उन्हे अब प्रवेश नहीं मिलेगा। अमेरिका में 11 लाख से अधिक विदेशी छात्र हैं जो स्टूडेंट वीजा पर आए हुए हैं। अमेरिका ने एक रिस्क ऑपरेशन के तहत इन सभी छात्रों को उनके देश वापस भेजने की तैयारी कर ली है।

फ्रांस में राष्ट्रपति ने पुलिस के खिलाफ प्रदर्शन के बाद सुरक्षा प्रमुख को हटाया

पेरिस (एजेंसी)।

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने पुलिस बर्बरता के खिलाफ प्रदर्शन के बाद अपने शीर्ष सुरक्षा अधिकारी को सोमवार को पद से हटा दिया। मैक्रों ने यह कदम सरकार में फेरबदल के तहत उठाया है जिसका लक्ष्य उनके शेष दो साल के कार्यकाल में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बाद फ्रांस में आर्थिक सुधार लाना है। सबसे बड़ा बदलाव गृह मंत्रालय में किया गया है जिसके पास पुलिस का प्रभार है। पूर्व बजट मंत्री गेराल्ड डारमनिन को गृह मंत्री क्रिस्टोफ कास्टनर की जगह लेने के लिए नामित किया गया है जो नस्ली अन्याय के खिलाफ फ्रांस में बड़े पैमाने पर चल रहे प्रदर्शनों के बीच निशाने पर आ गए हैं। फ्रांस के नये गृह मंत्री के तौर पर नामित डारमनिन बलात्कार के आरोप में प्रारंभिक जांच का सामना कर रहे हैं। हालांकि, वह इस आरोप का पुरजोर खंडन करते हैं।राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि यह जांच डारमनिन की नियुक्ति में कोई बाधा नहीं है लेकिन वह जारी जांच पर और कोई टिप्पणी नहीं करना चाहता। चौंकाने वाला कदम उठाते हुए मैक्रों ने एक आक्रामक वकील को न्याय मंत्रालय के प्रमुख के तौर पर नामित किया है जिन्होंने विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांज और संदिग्ध आतंकवादियों का बचाव किया था। वहीं ग्रीन पार्टी के पूर्व सांसद को शक्तिशाली पारिस्थितिक परिवर्तन मंत्रालय का प्रमुख नियुक्त किया है।अपने कार्यकाल में पहले प्रदर्शनों और अब वायरस संकट का सामना करने वाले 42 वर्षीय मैक्रों ने वादा किया है कि नयी सरकार एक मकसद एवं एकजुटता की होगी।सरकार के पुनर्गठन में उन्होंने कुछ नये चेहरों को शामिल किया है लेकिन उनके विश्वस्त पहले की तरह सरकार में बने हुए हैं।

नये दिशा-निर्देश : कक्षाएं ऑनलाइन होने पर विदेशी छात्रों को छोड़ना होगा अमेरिका

वाशिंगटन। सात जुलाई (एपी) संघीय आव्रजन अधिकारियों द्वारा सोमवार को जारी किए गए नए दिशा-निर्देशों के तहत स्कूलों और कॉलेजों द्वारा सभी कक्षाएं ऑनलाइन आयोजित करने पर सभी विदेशी छात्रों को अमेरिका छोड़ना होगा या दूसरे शैक्षणिक संस्थान में तबादला कराना होगा। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन द्वारा जारी किए गए दिशा-निर्देशों ने विश्वविद्यालयों पर परिसर खोलने को लेकर अतिरिक्त दबाव बना दिया है। वह भी ऐसे समय में जबकि हाल ही में युवकों में कोविड-19 के मामले अधिक सामने आए हैं। कॉलेज को भी नए दिशा-निर्देशों की जानकारी दे दी गई। हार्वड विश्वविद्यालय सहित कई शैक्षणिक संस्थानों ने ऑनलाइन कक्षाएं आयोजित करने की घोषणा भी कर दी है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्कूल और कॉलेजों को जल्द से जल्द परिसर में कक्षाएं शुरू करेने को कहा था। इसके तुरंत बाद ही यह नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। ट्रम्प ने ट्विटर पर कहा था कि इस शरदऋतु में स्कूल जरूर दोबारा खुल जाने चाहिए। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया था कि डेमोक्रेट पार्टी '' राजनीतिक कारण से स्कूल बंद रखना चाहती है, स्वास्थ्य कारणों की वजह से नहीं''। ट्रम्प ने कहा था, '' उन्हें लगता है कि इससे नवम्बर में उन्हें मदद मिलेगी। गलत, लोगों को सब समझ आ रहा है।'' अद्यतन नियमों के तहत, विदेशी छात्रों को कम से कम कुछ कक्षाएं परिसर जाकर लेनी होंगी। उन स्कूलों या पाठ्यक्रमों के लिए नए वीजा जारी नहीं किए जाएंगे, जहां सभी कक्षाएं ऑनलाइन हो रही हैं। यहां तक की जिन कॉलेजों में इस शरदकाल में परिसर में और ऑनलाइन दोनों तरीके से कक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, वहां विदेशी छात्रों को ऑनलाइन कक्षाएं नहीं लेने दिया जाएगा।

नई मुसीबत में फंसा चीन ! जिनपिंग सरकार के खिलाफ इंटरनेशनल कोर्ट पहुंचे उइगर मुसलमान

बीजिंग (एजेंसी)।

चीन की मनमानियों से जहां अंतर्राष्ट्रीय समुदाय परेशान हैं वहीं चीन में बसे अल्पसंख्यक खासकर उइगर मुसलमान शी जिनपिंग सरकार के अत्याचारों से तंग है। चीन में उइगर समुदाय के खिलाफ जारी मानवाधिकार उल्लंघन और शोषण का मामला अब इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट पहुंच गया है। उइगर समुदाय से जुड़ी संस्था ईस्ट टर्किश गवर्नमेंट और ईस्ट तुर्किस्तान नेशनल अवेकनिंग मूवमेंट ने चीन के खिलाफ कोर्ट में उइगर समुदाय के नरसंहार, मानवाधिकार उल्लंघन और शोषण का मामला दर्ज कराया है। उइगर समुदाय की निर्वासित सरकार ने कोर्ट से बीजिंग से उइगर नरसंहार और क्राइम अगेंस्ट ह्यूमैनिटी के मामलों में जवाब मांगने को कहा है। खास बात यह है कि यह पहला मामला है जब चीन से अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अंतर्गत उइगर समुदाय पर जारी अत्याचार से संबंधित पूछताछ की जा सकती है। लंदन के वकीलों के एक समूह ने चीन में उइगर समुदाय पर जारी अत्याचार और हजारों उइगरों को कानून का उल्लंघन कर कंबोडिया और तजिकिस्तान डिपोर्ट किए जाने के संबंध में शिकायत दर्ज कराई है। इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट ने भी इस मामले में रूचि जाहिर की है जिससे चीन की मुश्किलें बढज सकती हैं और वह पहली बार जांच के घेरे में आ सकता है। इस केस में जिनपिंग समेत कम्युनिस्ट पार्टी की सरकार से जुड़े 80 लोगों पर उइगर समुदाय के नरसंहार का आरोप लगाया गया है। बता दें कि इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट में नरसंहार, युद्ध अपराध और अन्य मानवाधिकार हनन के अंतर्राष्ट्रीय मामलों की सुनवाई होती है। हालांकि इस बात पर पूरा शक है कि चीन इस कोर्ट के अधिकार क्षेत्र को मानेगा और जांच के लिए तैयार होगा। अपील दायर करने वाले वकीलों में से एक रॉनडी डिक्सन ने कहा कि नरसंहार के मामलों में कोर्ट के अधिकार क्षेत्र में चीन भी आता है। चीन और कंबोडिया दोनों देश कोर्ट के सदस्य हैं और इस नज़र से ये एक निजी नहीं अंतरराष्ट्रीय मामला भी है। उन्होंने कहा कि ये बेहद अहम केस साबित हो सकता है क्योंकि चीन को मानवाधिकारों के हनन और उइगर नरसंहार के लिए अभी तक किसी भी जवाबदेही का सामना नहीं करना पड़ा है।

नेपाल के सियासी घमासान में ओली को बचाने कूदी चीनी राजदूत, मच गया बवाल

काठमांडू (एजेंसी)।

चीन के उकसावे में आकर लगातार भारत विरोधी फैसले लेकर नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की कुर्सी खतरे में पड़ गई है। नेपाल में बढ़े सियासी घमासान से चीन की टेंशन बढज गई है। दरअसल नेपाल को मोहरा बनाकर चीन प्रधानमंत्री ओली से भारत के खिलाफ अपने निजी हितों को पूरा करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन चीन की वजह से ओली का उनके देश में ही विरोध हो रहा है और उनकी अपनी पार्टी के कई सांसदों ने ओली के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। ऐसे में ओली को बचाने के लिए चीनी राजदूत हाओ यांकी ने अभियान छेड़ दिया है जिससे नेपाल के अंदर ही उनका जोरदार विरोध शुरू हो गया है। चीनी राजदूत के इस कदम को नेपाल की आंतरिक राजनीति में हस्तक्षेप माना जा रहा है और कई पूर्व राजनयिकों और राजनेताओं ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई है। नेपाली अखबार काठमांडू पोस्ट के मुताबिक पिछले एक सप्ताह में हाओ ने राष्ट्रपति बिद्या भंडारी, नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता माधव कुमार नेपाल, झालानाथ खनल से मुलाकात की। वह भी तब जब पीएम ओली पर इस्तीफा देने के लिए दबाव बढ़ता ही जा रहा है। बताया जा रहा है कि पुष्प कमल दहल प्रचंड, झालानाथ खनल समेत नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के 44 में से 30 सदस्यों ने 30 जून को ओली को पीएम पद और पार्टी अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने के लिए कहा था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गत 3 जून को चीनी राजदूत ने राष्ट्रपति बिद्या भंडारी से शिष्टाचार मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद चीनी राजदूत और ज्यादा सवालों के घेरे में आ गईं। यही नहीं नेपाली विदेश मंत्रालय ने भी कहा कि चीनी राजदूत के मामले में राष्ट्रपति राजनयिक आचार संहिता का उल्लंघन कर रही हैं। नेपाली राष्ट्रपति इन दिनों खुद ही अपनी पार्टी में विवादों में चल रही हैं। विद्या भंडारी को प्रचंड बनाम ओली की इस लड़ाई में ओली का समर्थक माना जाता है। गुरुवार को पीएम ओली से मुलाकात के बाद राष्ट्रपति ने संसद के बेहद सत्र को ही खत्म कर दिया। यही नहीं ओली अपने विरोधियों के खिलाफ लड़ाई की मुद्रा में आ गए। आलम यह रहा है कि नेपाली राष्ट्रपति के कार्यालय में तैनात विदेश मंत्रालय के अवर सचिव को भी इस मुलाकात के बारे में कुछ नहीं बताया गया जबकि संवैधानिक रूप से ऐसा बताना जरूरी होता है। नियम यह भी है कि ऐसी मुलाकात के दौरान विदेश मंत्रालय के अधिकारी मौजूद रहें लेकिन उन्हें कोई सूचना ही नहीं दी गई। राष्ट्रपति और चीनी राजदूत के बीच के या बातचीत हुई इसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। हालांकि नेपाल में मचे सियासी घमासान को लेकर पीएम ओली सीधे तौर पर भारत पर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले ही एक कार्यक्रम में भारत के ऊपर अपनी सरकार को अस्थिर करने का आरोप लगाया था। वहीं, खुफिया रिपोर्ट में दावा किया गया है कि नेपाली पीएम देश में चीन की राजदूत हाओ यांकी के इशारे पर भारत विरोधी सभी कदम उठा रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि नेपाल के नक्शे को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए चीनी राजदूत ने प्रधानमंत्री ओली को प्रेरित करने का काम किया है। खुफिया सूत्रों ने कहा कि हिमालयी गणराज्य नेपाल में युवा चीनी राजदूत होउ यानकी नेपाल की सीमा को फिर से परिभाषित किए जाने के लिए कॉमरेड ओली के कदम के पीछे एक प्रेरणादायक कारक रही हैं। यानी नेपाल जो भारत के कालापानी और लिपुलेख को अपने नक्शे में दर्शा रहा है, उसके पीछे चीनी राजदूत की ही कूटनीति और दिमाग काम कर रहा है। अपने नक्शे में दर्शा रहा है, उसके पीछे चीनी राजदूत की ही कूटनीति और दिमाग काम कर रहा है। पाकिस्तान में 3 साल तक काम कर चुकीं होउ का ओली के कार्यालय और निवास में अक्सर आना-जाना लगा रहता है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पीआई समेत 6 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज, सभी फरार

क्रांति समय (सुरत)

वडोदरा, शहर के फतेगंज पुलिस थाने के पीआई और पीएसआई समेत 6 पुलिसकर्मियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है।

आरोप है कि चोरी के मामले में पकड़े गए आरोपी की पुलिसकर्मियों ने इस कदर पिटाई की कि उसकी मौत हो गई।

मौत के बाद उसके शव को भी ठिकाने लगा दियाद्य पुलिस अधीक्षक ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक वडोदरा की फतेगंज पुलिस ने गत 10 दिसंबर को 61 वर्षीय निसार बाबू शेख को चोरी के मामले में गिरफ्तार किया था।

12 दिसंबर तक निसार को कस्टडी में रखने के दौरान उसकी बुरी तरह से पिटाई की गई थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी।

निसार की मौत के बाद पुलिसकर्मियों ने उसका शव भी ठिकाने लगाकर सबूतों को नष्ट कर दिया था।

इतना ही नहीं निसार के परिजनों से कहा कि उसे छोड़ दिया गया है।

घटना सामने आने के बाद सभी पुलिसकर्मी फरार हैं।

पुलिस अधीक्षक ने पी. आई धर्मेन्द्रसिंह बटुकसिंह गोहिल, पीएसआई दशरथभाई रबारी, कांस्टेबल पंकज मावजीभाई, योगेन्द्रसिंह जीलणसिंह, राजेश सवजीभाई और हितेश शंभुभाई के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की हैं।

गुजरात में रोज नए रिकार्ड बना रहा है कोरोना,24 घंटों में 778 नए केस

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद/सुरत, गुजरात में पिछले 5 दिनों से कोरोना के औसत 700 से अधिक मामले दर्ज हो रहे हैं और हर दिन नया रिकार्ड कायम हो रहा है।

पिछले 24 घंटों में 778 नए केसों के साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 37000 को पार कर गया है।

24 घंटों में 421 लोग स्वस्थ हुए हैं और 17 मरीजों की मौत हो गई। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों के दौरान सूरत शहर में 204, अहमदाबाद शहर में 172, वडोदरा शहर में 49, सूरत जिले में 45, रा. जकोट शहर में 32, वलसाड में 21, वडोदरा जिले में 19, अहमदाबाद में जिले में 15, मेहसाणा में 15, भरुच में 15, कच्छ में 15, कच्छ में 14, गांधीनगर में 13, नवसारी में 13, भावनगर शहर में 12, बनासकांठा में 12, खेडा में 11, सुरेन्द्रनगर में 11, आणंद में 10, भावनगर में 9, जामनगर शहर में 8, राजकोट जिले में 8, जूनागढ़ शहर में 7, महीसागर में 7, अमरेली में 6, दाहोद में 6, जूनागढ़ जिले में 6, गांधीनगर शहर में 5, पाटन में 5, मोरबी में 5, अरवल्ली में 4, पंचमहल में 4, गिर सोमनाथ में 3, तापी में 3, साबरकांठा में 2, छोटाउदेपुर में 2, जामनगर में 2, जामनगर में 2, नर्मदा में 1, बोटाद में 1 और देवभूमि द्वारका में 1 समेत राज्य में कोरोना के कुल 778 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान सूरत शहर जिले में 76 और अहमदाबाद में 124 समेत राज्यभर में 421 लोग कोरोना को मात देकर स्वस्थ हैं, जबकि 17 मरीजों की मौत हो गई।

जिसमें अहमदाबाद शहर में 7, सूरत शहर और जिले में 6, अरवल्ली में 2, बनासकांठा में 1 और खेडा में 1 मरीज की मौत शामिल है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 425830 टेस्ट किए गए और इसमें 37636 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आईद्य जिसमें से अब तक 26744 लोग ठीक हो चुके हैं और 1979 मरीजों की कोरोना से मौत हो चुकी है।

कोरोना के शेष 8913 एक्टिव केसों में 8852 मरीजों की हालत स्थिर है और 61 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कृषि और पशुपालन को महत्व देंः राज्यपाल

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद, गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने कहा है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए कृषि और पशुपालन व्यवसाय को ज्यादा महत्व दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने दुधारू पशुधन को भारत की आर्थिक समृद्धि का महत्वपूर्ण परिबल करार देते हुए इनकी नस्ल सुधार के लिए सघन प्रयासों का अनुरोध किया। गुजरात की कामधेनु युनिवर्सिटी के दस वर्ष समापन समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित 'कोरोना के बाद के समय में देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में पशुपालन क्षेत्र की भूमिका' विषयक वेबिनार को राज्यपाल ने सम्बोधित किया। उन्होंने कहा कि दुधारू पशुओं, खास तौर पर देशी नस्ल की गाय के जतन– संवर्धन और नस्ल सुधारों के क्षेत्र में कामधेनु युनिवर्सिटी वैज्ञानिक संशोधनों और विभिन्न प्रोत्साहनों द्वारा अभियान चलाए। राज्यपाल ने कोरोना से लड़ने के लिए रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज के समयकाल में इम्युनिटी बढ़ाने पर लोगों का जोर रहेगा, तब रासायनिक पद्धति से होने वाली कृषि द्वारा उत्पादित जहरयुक्त खाद्यान्न की जगह प्राकृतिक पद्धति से उत्पादित को लोग पसन्द करेंगे। ऐसे में पद्मश्री सुभाष पालेकरजी प्रेरित प्राकृतिक कृषि को अपनाने का अनुरोध करते हुए उन्होंने कहा कि देशी गाय द्वारा होने वाली वाली प्राकृतिक खेती रासायनिक कृषि का मजबूत विकल्प है और देशी गाय के जतन– संवर्धन के लिए भी यह पद्धति आवश्यक है। देशी नस्ल की गाय और गाय की अन्य प्रजातियों के नस्ल सुधारों द्वारा इनको इतना उन्नत किया जाना चाहिए कि पशुपालक ऐसे पशुओं को पालने के लिए तैयार रहें। इससे आवारा घूमने वाले पशुओं से होने वाली समस्याएं भी दूर होंगी और कृषि– पशुपालन से किसान और पशुपालक समृद्ध होंगे।

गुजरात की 126 तहसीलों में बारिश, सबसे अधिक खंभालिया में 12 ईंच

क्रांति समय (सुरत)(एजेसी)

अहमदाबाद,मंगलवार को गुजरात की 126 तहसीलों में बारिश हुई,

जिसमें सबसे अधिक देवभूमि द्वारका की खंभालिया तहसील में 12 ईंच बारिश रिकार्ड की गई। जामनगर के जामजोधपुर में 7.75 ईंच, कच्छ के मुंद्रा में 6.50 ईंच, मांडवी में 4ईंच,द्वारका के भाणवड में 6.50 ईंच, कल्याणपुर में 5.50 ईंच जितनी बारिश दर्ज हुई।

राज्य की 11 तहसीलों में 4 ईंच से अधिक बारिश हुई। राज्य की 251 तहसीलों में बारिश हुई है।

जिसमें 15 तहसीलों में 20 ईंच से ज्यादा, 54 तहसीलों में 10 और 104 तहसीलों में 5 ईंच से अधिक बारिश हुई है।

जबकि राज्य की 146 तहसीलों में औसत से 25 प्रतिशत से कम बारिस हुई।

पिछले 24 घंटों में राज्य के 33 जिलों की 224 बारिश दर्ज हुई। 24 घंटों के दौरान 16 तहसीलों में 4 ईंच से अधिक बारिश हुई है।

जिसमें देवभूमि द्वारका जिले की खंभालिया तहसील में 141.49 प्रतिशत और कल्याणपुर में 100 फीसदी बारिश हुई है।

जामनगर के कालावड में 121 प्रतिशत और कच्छ के मांडवी में

102 प्रतिशत बारिस हुई।

लगातार मूशलाधार बारिश से सौराष्ट्र शहरी और ग्रामीण इलाके पानी पानी हो गए हैं।

कई शहरों में मौसम की 100 फीसदी बारिश हो चुकी है। जिसमें खंभालिया, कच्छ, कल्याणपुर और कालावड में मॉनसून की शुरुआत में ही 100 फीसदी से अधिक बारिश हो चुकी है।

राज्य के 205 डैमों में से 12 डैम 100 प्रतिशत भर चुके हैं। जबकि 35 बांध 70 प्रतिशत भरे हैं। भारी बारिश के कारण 6 डैम और 5 जलाशय ऑवरफ्लो हो गए हैं। 25 डैम हाईअलर्ट पर हैं और 10 डैमों को लेकर चेतावनी जारी की गई है।

राज्य की 17 नदियों में बाढ़ से हालात हैं। भारी बारिश को देखते हुए राज्य में एनडीआरएफ की 9 टीमों को तैनात कर दी गई हैं।

दक्षिण गुजरात के वलसाड, नवसारी और सूरत में एनडीआरएफ की 1–1 टीम तैनात है। जबकि देवभूमि द्वारका, राजकोट, जामनगर, कच्छ, पोरबंदर, गिर सोमनाथ में भी 1–1 टीमों को तैनात किया गया है। वडोदरा में 4 और गांधीनगर में एनडीआरएफ की 2 टीमें स्टैन्ड बाय हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक आज और बुधवार को भी जामनगर, देवभूमि द्वारका और पोरबंदर इत्यादि में भारी बारिश होने की संभावना है।

राज्य पर बने वेलमार्क लो प्रेशर के कारण सौराष्ट्र में भ. ारी से अतिभारी बारिश होने का अनुमान है।

जिसकी असर कच्छ जिले में भी दिखेगी। इस दौरान प्रति घंटे 40 से 45 किलोमीटर की रफ्तार से हवा चलेगी।

9 जुलाई को बारिश का जोर कम होगा और कई इलाकों में हलके से मध्यम बारिश हो सकती है।

मॉनसून की शुरुआत में गुजरात में औसत 27 फीसदी बारिश

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद , गुजरात में मॉनसून की शुरुआत में ही औसत 27 फीसदी बारिश हो चुकी है। जबकि सौराष्ट्र और कच्छ में मौसम की 50 प्रतिशत बारिश हुई। राज्य में इस बार भले ही विलंब से मॉनसून ने दस्तक दी है,

लेकिन अब तक मौसम की करीब 27 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। गुजरात के पांच मंडलों में से सौराष्ट्र और कच्छ मंडल में मौसम की अब तक 50 प्रतिशत बारिश दर्ज हुई है।

अब तक कच्छ मंडल में 51.39 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 49.71 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 15.53 प्रतिशत, मध्य पूर्व गुजरात में 16.14 प्रतिशत और उत्तरी गुजरात में अब तक 14 प्रतिशत बारिश हुई है।

कच्छ मंडल के मांडवी में 102.95 प्रतिशत, सौराष्ट्र मंडल के कालावड में 121.99 प्रतिशत, कल्याणपुर में 100 प्रतिशत और सबसे अधिक खंभालिया में 141.30 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। राज्य की 12 तहसीलों में 2 ईंच तक, 65 तहसीलों में 2 से 5 ईंच, 104 तहसीलों में 5 से 10 ईंच तक बारिश दर्ज हुई है।

जबकि राज्य की 54 तहसीलों में 10 से 20 ईंच और 15 तहसीलों में 20 से 40 ईंच तक और एक तहसील में 40 ईंच से भी ज्यादा बारिश दर्ज हुई है।

राज्य में मौसम की औसत 831 मिमी बारिश होती है। लेकिन इस साल मॉनसून शुरू होने के केवल 14 दिनों के भीतर 212 मिमी बारिश हो चुकी है।

आमतौर पर हर साल सबसे अधिक बारिश दक्षिण गुजरात में होती है,

लेकिन इस बार कच्छ में बने लो प्रेशर के कारण कच्छ और सौराष्ट्र में मौसम की आधी बारिश हो चुकी है और बारिश का दौर अब भी जारी है।

कांग्रेस नेता भरतसिंह सोलंकी की हालत नाजुक, गेनी ठाकोर भी कोरोना संक्रमित

क्रांति समय (सुरत)

अहमदाबाद , गुजरात कांग्रेस के नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी की तबियत नाजुक बताई जा रही है।

प्लाज्मा के दो डोज दिए जाने के बावजूद उनकी तबियत में कोई सुधार नहीं है। दूसरी ओर वाव से कांग्रेस विधायक गेनी ठाकोर की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबर है। कांग्रेस नेता भरतसिंह सोलंकी की 22 जून को कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद वडोदरा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। लेकिन तबियत में सुधार नहीं होने

पर उन्हें अहमदाबाद के सिम्स अस्पताल लाया गया। अहमदाबाद के अस्पताल में भी उनकी तबियत में सुधार नहीं होता देख उनकी प्लाज्मा थेरापी की गई।

परंतु प्लाज्मा थेरापी के बावजूद सोलंकी की तबियत में कोई सुधार नहीं दिख रहा।

अस्थमा, डायाबिटीश और हाईपरटैंशन से जूझ रहे भरतसिंह सोलंकी को लगातार ऑक्सिजन सपोर्ट पर रखा गया है।

बताया जाता है कि अगले 24 घंटे भरतसिंह सोलंकी के लिए काफी महत्वपूर्ण हैद्य दूसरी ओर बनासकांठा जिले की वाव निर्वाचन क्षेत्र की कांग्रेस विधायक गेनी ठाकोर की कोरोना रिपोर्ट पॉजि. टिव आने के बाद वह गांधीनगर स्थित आवास पर आइसोलेट हो गई थीं। बाद में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराए जाने की खबर है।

Get Instant Car Insurance

Call 9879141480

Car insurance is a concept through which you can safeguard your money in case of damage to your car.

Get Instant Health Insurance

Call 9879141480

Financial coverage for medical expenses, in case of a medical emergency.

दरेड के निकट खोडियार माता का मंदिर पानी में डूबा, चारों ओर पानी ही पानी

क्रांति समय(सुरत)

जामनगर , सौराष्ट्र में खासकर देवभूमि द्वारका और जामनगर में हुई भारी बारिश से नदियों में बाढ़ आ गई है। सौराष्ट्र के ज्यादातर बांध ऑवरफ्लो हो रहे हैं। कई इलाके अब भी जलमग्न हैं। रविवार को देवभूमि द्वारका जिले की जामखंभालिया में 18 ईंच से अधिक बारिश हुई थी। उसके बाद सोमवार को जामनगर जिले के कालावड में 18 ईंच से ज्यादा बारिश ने सर्वत्र पानी पानी कर दिया। भारी बारिश के चलते जामनगर के दरेड के निकट खोडियार माता का पूरा मंदिर पानी में डूब गया है और चारों ओर पानी का तेज बहाव जारी है। भारी बारिश के कारण मंदिर पर लगा ध्वज ही दिखाई दे रहा है, शेष हिस्सा में पानी में डूबा हुआ है। दूसरी ओर द्वारका में लगातार दूसरे दिन भी बारिश जारी है। खंभालिया में भारी बारिश के कारण रेलवे स्टेशन क्षेत्र पानी में डूब गया है। रेलवे स्टेशन के निकट करछी पाडा के लोगों के घरों में पानी घुस गया है। खंभालिया में आज और 4 ईंच बारिश दर्ज हुई। भारी बारिश को देखते हुए जामनगर जिले में अब तक 900 जितने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं द्वारका जिले में 75 लोगों को स्थानांतरित किया गया है। साथ ही डोलवण गांव को जरूरत पड़ने पर स्थानांतरण के लिए तैयार रहने की हिदायत दी गई है। बता दें कि मौसम विभाग ने आज भी भारी से अतिभारी बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। राज्य पर वेलमार्क लो प्रेशर बरकरार है। राज्य में अब तक मौसम की 27 प्रतिशत बारिश हो चुकी है और सौराष्ट्र में कल भी भारी से अतिभारी बारिश की संभावना है। 9 जुलाई के बाद बारिश का जोर घटेगा।

इस दौरान अहमदाबाद और उत्तरी गुजरात में सामान्य बारिश का अनुमान है। राज्य के मछुआरों को समुद्र नहीं जाने की चेतावनी यथावत है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)